केवल आप के लिये
गांव–गांव शहर–शहर देश दुनियां में अपनों तक पहुंचाना है तो :भारतीय बस्ती दैनिक वेब
www.bhartiyabasti.com
और उसका छपा संस्करण
सबसे बेहतर माध्यम
सम्पर्क–bhartiyabasti@gmail.com
मो0 9450567450| 9336715406

दैनिक भारतीय बस्ती

भारतीय बस्ती
www.bhartiyabasti.com
के लिये विज्ञापन बुक कराये।
विचार, प्रचार का सशक्त माध्यम
सम्पर्क
मो0 9336715406
8400925463

भारतीय बस्ती आमंत्रण मूल्य 2रूपया

R.N.I. 38784/81 डाक पंजीकरण सं0 B.S.T 59 बस्ती, वर्ष :47 अंक 131 सोमवार 1 दिसम्बर 2025 (बस्ती संस्करण) बस्ती एवं अयोध्या–फैजाबाद से एक साथ प्रकाशित पृष्ठ :4मूल्य:3.00 रुपया www.bhartiyabasti.com

एक नजर

हादसे में घायल युवक की मौत

–भारतीय बस्ती संवाददाता–

बस्ती । नगर थाना क्षेत्र स्थित संसारीपुर चौराहे पर रविवार दोपहर एक सड़क हादसे में नगर बाजार निवासी अली हसन की इलाज के दौरान मौत हो गई। अली हसन पैदल जा रहे थे, तभी तेज रफ्तार केटीएम बाइक पर सवार रेहान अंसारी और सनी गौतम ने उन्हें टक्कर मार दी। सूचना मिलने पर नगर थाना पुलिस तुरंत मौके पर पहुंची।

पुलिस ने स्थानीय लोगों की मदद से घायल अली हसन को एम्बुलेंस से जिला अस्पताल पहुंचाया। हालांकि, डॉक्टरों ने जांच के बाद उन्हें मृत घोषित कर दिया। पुलिस ने मृतक के शव को कब्जे में लेकर पोस्टमॉर्टम के लिए भेज दिया है। मामले में आगे की विधिक कार्रवाई की जा रही है।

छात्रा ने फांसी लगाकर जान दिया

–भारतीय बस्ती संवाददाता–

बस्ती। जिले के दुबौलिया थाना क्षेत्र में एक चौंकाने वाली घटना सामने आई है। कप्तानगंज ब्लॉक की ग्राम पंचायत सडवालिया में आठवीं कक्षा की छात्रा पलक चौधरी (लगभग 13–14 वर्ष) ने फांसी लगाकर आत्महत्या कर ली। यह घटना रविवार सुबह घर में हुई कहासुनी के बाद घटित हुई।

जानकारी के अनुसार, सुबह करीब 10 बजे पलक का घर के सदस्यों से किसी बात पर विवाद हुआ था। इसके बाद घर के लोग अपने–अपने काम में लग गए। लगभग 11 बजे जब पलक की छोटी बहन उसके कमरे में जाने के लिए दरवाजा खोलने की कोशिश की, तो वह अंदर से बंद मिला। खिड़की से देखने पर पता चला कि पलक ने अपने दुपट्टे का फंदा बनाकर फांसी लगा ली थी। घटना का पता चलते ही घर में कोहराम मच गया। परिजनों और ग्रामीणों ने तत्काल दुबौलिया थाने की पुलिस को सूचना दी। सूचना मिलते ही पुलिस टीम मौके पर पहुंची और छात्रा के शव को कब्जे में ले लिया। हल्का दरोगा भवानी मिश्रा ने बताया कि पुलिस ने शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है। मामले की आगे की जांच की जा रही है।

मृतक पलक चौधरी अपने पिता इंद्रजीत चौधरी की तीन बेटियों में से दूसरी थी। उसके पिता बाहर रहकर मजदूरी करते हैं। पलक की मां इंद्रावती और दोनों बहनों का रो–रोकर बुरा हाल है। पलक गांव के ही स्कूल में पढ़ती थी।

सेमरा में एसआईआर पूरा

–भारतीय बस्ती संवाददाती–

बस्ती । सदर के महादेवा विधानसभा क्षेत्र के बूथ संख्या 201 सेमरा गलवा गांव पंचायत में मतदाताओं का 100 प्रतिशत सत्यापन कार्य पूरा हो गया है। यह कार्य सफलतापूर्वक संपन्न हुआ है। सेमरा गलवा के बीएलओ (बूथ लेवल अधिकारी) अरविंद कुमार ने बताया कि बूथ संख्या 201 पर सभी मतदाताओं के विशेष गहन पुनरीक्षण का कार्य किया गया। यह कार्य मतदाताओं और ग्रामवासियों के सहयोग से शत–प्रतिशत पूरा किया गया। सभी गणना प्रपत्र फॉर्म की ऑनलाइन फीडिंग कर दी गई है।

सर्वदलीय बैठक में विपक्ष का तीखा तेवर

नई दिल्ली (आभा)। संसद के शीतकालीन सत्र से एक दिन पहले, रविवार को केंद्र सरकार ने एक सर्वदलीय बैठक बुलाई। इस छोटी लेकिन बेहद महत्वपूर्ण बैठक में सभी राजनीतिक दलों के नेताओं ने हिस्सा लिया।

संसद भवन में हुई इस बैठक में, विपक्ष ने कई अहम मुद्दे उठाए जिन्हें वे सदन के अंदर उठाना चाहते हैं। इनमें वोटर लिस्ट का स्पेशल इंटेंसिव रिवीजन, हाल ही में दिल्ली में हुए बम धमाके और विदेश नीति से जुड़ी मुख्य चिंताएं शामिल हैं।

वहीं, सरकार ने अपनी कानूनी प्राथमिकताएं बताईं और सत्र की

कार्यवाही को सुचारू रूप से चलाने के लिए सभी दलों से सहयोग मांगा। हालांकि, बैठक के बाद, कांग्रेस ने सत्र की छोटी अवधि (केवल 15 बैठकें) का हवाला देते हुए आरोप लगाया कि सरकार 'संसद को पटरी से उतारने पर आमादा' लग रही है।

संसद का शीतकालीन सत्र सोमवार से शुरू होगा और 19 दिसंबर को समाप्त होगा। इस सत्र में कुल 15 बैठकें होंगी, जो आम तौर पर होने वाली 20 बैठकों से काफी कम हैं और यह हाल के सालों के सबसे छोटे सत्रों में से एक है।संसदीय कार्य मंत्री किरेन रिजिजू ने बैठक से पहले सभी से संयम बरतने की अपील की। उन्होंने कहा, 'यह सर्दियों का मौसम है, हम उम्मीद करते हैं कि हर कोई ठंडे दिमाग से काम करेगा और गरमागरम बहस से बचेगा।

राहुल, सोनिया पर एफआईआर

नई दिल्ली (आभा)। नेशनल हेराल्ड केस में सोनिया गांधी और राहुल गांधी पर एफआईआर का कांग्रेस ने कड़ा विरोध किया है। कांग्रेस ने आरोप लगाया कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी और गृह मंत्री अमित शाह की जोड़ी उसके नेतृत्व के खिलाफ उत्पीड़न, धमकी और प्रतिशोध की राजनीति जारी रखे हुए है। पार्टी महासचिव जयराम रमेश ने यह दावा भी किया कि 'नेशनल हेराल्ड' का मामला पूरी तरह फर्जी है और आखिरकार न्याय की जीत होगी।

दरअसल, दिल्ली पुलिस ने नेशनल हेराल्ड मामले में प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) की शिकायत पर कांग्रेस नेताओं सोनिया गांधी, राहुल गांधी और अन्य आरोपियों के खिलाफ प्राथमिकी दर्ज की है।

नगर पंचायत नगर से श्रद्धालुओं का दल अयोध्या धाम रवाना

–भारतीय बस्ती संवाददाता–

बस्ती। रविवार को नगर पंचायत नगर में श्री राम धाम निशुल्क यात्रा का दूसरा जत्था अयोध्या रवाना हुआ । 24 श्रद्धालुओं के दल को अध्यक्ष नीलम सिंह राना ने झंडी दिखा कर यात्रा की शुभकामनाएं दिया। अंग वस्त्र पहना कर यात्रियों का स्वागत किया गया। अध्यक्ष और सभासदों ने श्रद्धालुओं पर पुष्प वर्षा किया। अध्यक्ष नीलम सिंह राना ने कहा कि नगर पंचायत के 60 वर्ष से अधिक आयु वर्ग के श्रद्धालुओं को ये सुविधाएं निःशुल्क प्रदान की जाती हैं। प्रत्येक माह के अन्तिम रविवार को यह यात्रा निरन्तर चलती रहेगी। इच्छुक श्रद्धालु नगर पंचायतलोप कार्यालय पर किसी भी कार्य दिवस पर अपना रजिस्ट्रेशन करा सकते हैं। नगर श्री दुर्गा मंदिर से यात्रा शुरू होकर अयोध्या धाम स्थित श्री हनुमान गढ़ी, श्री राम जन्मभूमि तथा बस्ती के मखौड़ा धाम और महर्षि वशिष्ठ आश्रम बढ़नी मिश्र होते हुए पुनः श्रद्धालु नगर पंचायत वापस आएंगे। यात्रियों की सुविधा के लिए नगर पंचायत के 06 कर्मयोगियों की टीम लगाई गई है। जलपान की व्यवस्था भी नगर पंचायत द्वारा की गई है। उत्तर प्रदेश राज्य पंचायत परिषद के प्रदेश अध्यक्ष राना दिनेश प्रताप सिंह ने कहा कि नगर देश की पहली नगर पंचायत है जहां इस तरह की एक दर्जन अनूठी योजनाएं संचालित की जा रही है। उन्होंने नगर को देश का एक मॉडल नगर पंचायत बनाने में सभी से सहयोग की अपील किया। इस अवसर पर सभासद दिनेश चौरसिया, तुलसी राम, राजेश पाण्डेय, विंदू लाल, सत्यराम निषाद,अखिलेश यादव, सहित अनेक लोग मौजूद रहे।

अभय पटेल समर्थकों के साथ बसपा में शामिल

–भारतीय बस्ती संवाददाता–

बस्ती। महादेवा विधानसभा क्षेत्र के सिल्लो निवासी सामाजिक कार्यकर्ता अभय पटेल ' सिल्लो' समर्थकों के साथ बहुजन समाज पार्टी में शामिल हुये। पालिटेक्निक चौराहे के निकट स्वर्गीय रामचन्द्र चौधरी इण्टर कालेज मरवटिया के परिसर में आयोजित समीक्षा बैठक के दौरान अभय पटेल ' सिल्लो' बसपा प्रदेश अध्यक्ष विश्वनाथ पाल की मौजूदगी में बसपा की सदस्यता लिया। जिलाध्यक्ष अनिल कुमार गौतम ने उन्हें सदस्य बनाया।

सामाजिक कार्यकर्ता अभय पटेल ' सिल्लो' ने कहा कि बसपा जिला महासचिव जुगुल किशोर चौधरी की प्रेरणा से वे बसपा में इस उददेश्य से शामिल हुये हैं जिससे समाज के दबे कुचले, कमजोर वर्ग को सेवा के माध्यम से सहयोग किया जा सके और उन्हें न्याय मिले। कहा कि वे सेवा के बड़े संकल्प को लेकर बसपा में शामिल हुये हैं। अभय पटेल ' सिल्लो' के बसपा में शामिल होने पर मुख्य रूप से बसपा भाई चारा कमेटी पिछड़ा वर्ग जिला संयोजक के.सी. मौर्य महादेवा विधानसभाध्यक्ष प्रदीप कुमार गौतम, महादेवा विधानसभा क्षेत्र के मुस्लिम भाई चारा कमेटी संयोजक के.पी. राठौर, रंजीत गौतम, प्रमोद कुमार, नवी सरवर, श्याम भवन बौद्ध, रामचन्द्र, गुरूदेव निगम, रविन्द्र कन्नौजिया, रामसिंह राव, शिवाजी पाण्डेय, कौशलेन्द्र पटेल, सत्यगुरू गौतम, कमलेश, अश्विनी शर्मा, रामरतन चौधरी, आशाराम चौधरी, विशेषण चौधरी, वृजेश कुमार यादव आदि ने प्रसन्नता व्यक्त किया है।

कफ सिरप तस्करी मामले में शैली ट्रेडर्स का मालिक, भोला जायसवाल गिरफ्तार

लखनऊ (आभा)। कफ सिरप तस्करी मामले में रविवार को यूपी पुलिस को एक और सफलता मिली है। सोनभद्र पुलिस ने मुख्य आरोपी शुभम जायसवाल के पिता और शैली ट्रेडर्स के मालिक भोला जायसवाल को कोलकाता एयरपोर्ट से गिरफ्तार कर लिया है। वह थाईलैंड भागने की फिराक में था, पुलिस ने उससे पहले ही धर दबोचा। यह गिरफ्तारी अपर पुलिस अधीक्षक मुख्यालय एवं क्षेत्राधिकारी नगर के नेतृत्व में गठित सोनभद्र पुलिस, एसआईटी व एसओजी टीम सोनभद्र के नेतृत्व में की गई है।भोला प्रसाद जायसवाल ए–924/जे, कायस्थ टोला, प्रहलाद घाट, आदमपुर, जनपद वाराणसी का निवासी है। पुलिस ने उसे उस समय गिरफ्तार किया गया, जब वह विदेश भागने की तैयारी में था। गिरफ्तारी के उपरांत पुलिस ने कोलकाता में ट्रांजिट रिमांड के लिए न्यायालय में प्रतिवेदन प्रस्तुत किया है। आरोपी को ट्रांजिट रिमांड पर सोनभद्र लाया जाएगा। गिरफ्तार मास्टरमाइंड भोला प्रसाद जायसवाल चंदौली, जौनपुर और गाजीपुर में भी वांछित था।

सोनभद्र पुलिस के अनुसार जांच से स्पष्ट हुआ कि भोला प्रसाद जायसवाल द्वारा मेसर्स शैली ट्रेडर्स, रांची (झारखंड) के माध्यम से बड़े पैमाने पर कफ सीरप की नकली बिलिंग कर विभिन्न जनपदों में अवैध वितरण किया जा रहा था। एसआईटी जांच में जनपद भदोही, चंदौली, वाराणसी व सोनभद्र में लगभग 25 करोड़ के फर्जी लेन–देन का खुलासा हुआ, जिनमें से अधिकांश फर्में धरातल पर अस्तित्वहीन पाई गईं। संलिप्त खातों को फ्रीज कराया गया है। 18 अक्टूबर को सोनभद्र में चेकिंग के दौरान दो कंटेनरों से कुल 1,19,675 कफ सीरप की शीशियाँ बरामद की गई थीं। इसके अतिरिक्त, आरोपी बृज मोहन व शिवहरि की सूचना के आधार पर सोनभद्र पुलिस ने गाजियाबाद में संयुक्त कार्यवाही कर चार ट्रकों से भारी मात्रा में कफ सीरप तथा 20 लाख फंडिंग की नकदी बरामद की थी।

कफ सिरप मामले का मुख्य आरोपी शुभम जायसवाल फरार चल रहा है। सूचना है कि वह विदेश भाग गया है। उसके पिता को कोलकाता एयरपोर्ट से गिरफ्तार कर लिया गया है। इस मामले में पुलिस और एसटीएफ लगातार कार्रवाई कर रही है। चार दिन पहले शुभम के करीबी अमित सिंह टाटा को एसटीएफ ने लखनऊ से गिरफ्तार किया था। अमित टाटा मूल रूप से जौनपुर के सीठपुर का रहने वाला है। फिलहाल वह वाराणसी के वरुणा इन्क्लेव में रह रहा था। कुछ समय पहले खुलासा हुआ था कि फेंसेडिल कफ सिरप और कोडीन युक्त अन्य दवाओं को नशे के रूप में इस्तेमाल कराने में पूरा एक सिंडिकेट काम कर रहा है। शासन ने इसकी जांच एसटीएफ को दी थी। एसटीएफ और खाद्य सुरक्षा एवं औषधि प्रसाधन विभाग की संयुक्त टीम ने इसी 12 नवम्बर को गिरोह के सदस्य सहारनपुर निवासी विभोर राणा और विशाल सिंह को गिरफ्तार किया था।

शुभम ने पूरा नेटवर्क फैलाया हुआ है और उसने ही अमित को कई फर्में खुलवाई हैं। गिरफ्तार अमित ने पूछताछ में बताया था कि शुभम ने लाखों की कमाई का लालच दिया था। आजमगढ़ निवासी उसके परिचित विकास सिंह ने उसका परिचय वाराणसी निवासी शुभम जायसवाल से कराया था। विकास ने बताया था कि शुभम एबॉट कंपनी की फेन्सेडिल कफ सिरप की सप्लाई बड़े पैमाने पर करता है। उसका शैली ट्रेडर्स नाम से बड़ा कारोबार रांची, झारखंड में है। कोडीन युक्त फेन्सेडिल कफ सिरप का नशे के रूप में भी इस्तेमाल होता है। इसकी काफी मांग पश्चिम बंगाल और बांग्लादेश में है। विकास ने कहा था कि अवैध रूप से इसकी सप्लाई में बहुत फायदा है। इस पर उसने विकास के जरिए शुभम और उसके अन्य साझीदारों से बातचीत की।

ज्ञात रहे कि बाहुबली पूर्व सांसद धनंजय सिंह ने इस मामले में सफाई देते हुये मामले की सीबीआई से जांच की मांग किया है।

बंगाल सहित 12 राज्यों में 7 दिनों के लिए बढ़ी एसआईआर की समय सीमा

नई दिल्ली (आभा)। भारत निर्वाचन आयोग ने 12 राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों में चल रहे विशेष सघन पुनरीक्षण एसआईआर अभियान की समय सीमा को 7 दिनों के लिए बढ़ा दिया है। अब यह प्रक्रिया 11 दिसंबर तक चलेगी। बता दें कि एसआईआर के दूसरे चरण में अंडमान और निकोबार, छत्तीसगढ़, गोवा, गुजरात, केरल, लक्षद्वीप, मध्य प्रदेश, पुडुचेरी, राजस्थान, तमिलनाडु, उत्तर प्रदेश और पश्चिम बंगाल में वोटर लिस्ट को सुधारा जा रहा है।

चुनाव आयोग ने 11 दिसंबर 2025 तक समय सीमा बढ़ाया है। पोलिंग स्टेशनों को ठीक करना और फिर से व्यवस्थित करना सुनिश्चित करने को कहा है। कंट्रोल टेबल का अपडेट और ड्राफ्ट रोल तैयार करना की समय सीमा अब 12/15 दिसंबर तक होगी। ड्राफ्ट इलेक्टोरल रोल का पब्लिकेशन 16 दिसंबर को किया जाएगा। दावे और आपत्तियां फाइल करने का समय 16 दिसंबर 2025 से 15 जनवरी 2026 तक तय किया गया है।

ओसआईआर चुनाव आयोग की लगातार कोशिशों का हिस्सा है ताकि यह पक्का किया जा सके कि वोटर रोल सही, अप–टू–डेट और सबको शामिल करने वाले हों, खासकर जरूरी विधानसभा चुनावों से पहले इसे सुनिश्चित करने की कोशिश की जा रही है। उनमें पश्चिम बंगाल और उत्तर प्रदेश शामिल है।

चुनाव आयोग के द्वारा दी गई मोहलत के साथ ही मतदाताओं को अपनी डिटेल्स वेरिफाई करने, ऑब्जेक्शन फाइल करने या वोटर लिस्ट में जरूरी सुधार करने के लिए और समय मिल गया है।

अधिकारियों ने इस बात पर जोर दिया है कि प्रभावित राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों के निवासियों को भविष्य के चुनावों में वोट देने का मौका गंवाने से बचने के लिए बढ़े हुए शेड्यूल का फायदा उठाना चाहिए।

सामान्य ज्ञान प्रतियोगिता के सफल प्रतिभागियों को पुरस्कृत कर बढाया हौसला

–भारतीय बस्ती संवाददाता–

बस्ती। रविवार को शैक्षणिक विकास और विद्यार्थियों में ज्ञान–वृद्धि को प्रोत्साहन देने के उद्देश्य से अखिल भारतीय समूह सहायता ट्रस्ट के जिला अध्यक्ष प्रमोद कुमार चौधरी की अध्यक्षता में सल्टौआ विकास खण्ड क्षेत्र के उर्मिला ऐजूकेशनल एकेडमी एकडेंगवा के परिसर में सामान्य ज्ञान प्रतियोगिता के सफल प्रतिभागियों को संविधान की पुस्तक, बैग और चेक और नगद धनराशि देकर पुरस्कृत किया गया।

प्रमोद कुमार चौधरी ने बताया कि प्रतियोगिता में लगभग 1150 विद्यार्थियों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया। प्रतिभागियों ने इतिहास, भूगोल, विज्ञान, समसामयिक घटनाओं एवं सामान्य अध्ययन से जुड़े विभिन्न प्रश्नों के उत्तर देकर अपनी ज्ञान क्षमता का परिचय दिया।

कक्षा 6 से 8 तक के छात्रों के बीच करायी गई सामान्य ज्ञान प्रतियोगिता में सात्विक पाण्डेय प्रथम, अभिषेक मिश्र द्वितीय और श्रेया मिश्रा को तृतीय स्थान प्राप्त हुआ। कक्षा 9 से 12 तक के प्रतिभागियों में राहुल वर्मा प्रथम, मोहम्मद सैफ द्वितीय और अंकित कुमार को तृतीय स्थान प्राप्त हुआ। इसके अतिरिक्त सभी उपस्थित छात्रों में स्कूली बैग का वितरण किया गया।

मुख्य अतिथि जिला पंचायत अध्यक्ष संजय चौधरी ने कहा कि शैक्षणिक प्रतियोगिताओं के आयोजन से सुदूर ग्रामीण क्षेत्र के छात्रों को विशेष अवसर मिलता है जो आगे बढने पर प्रतियोगी परीक्षाओं में उपयोगी होता है।

विशिष्ट अथिति विधायक राजेंद्र प्रसाद चौधरी ने प्रतिभागियों को उत्साहित करते हुये कहा कि उन्हें ऐसे प्रतियोगिता में अवश्य हिस्सा लेना चाहिये। इससे ज्ञान में वृद्धि होती है। डॉ. अजय चौधरी, पूर्व प्रधानाचार्य राष्ट्रपति पुरस्कार से सम्मानित शोभा प्रसाद चौहान, उर्मिला ऐजूकेशनल एकेडमी के प्रबंधक गंगाराम चौधरी ने सफल प्रतिभागियों को पुरस्कृत करते हुये कहा कि ऐसी प्रतियोगिताएँ न केवल विद्यार्थियों के ज्ञान का विस्तार करती हैं, बल्कि उनमें प्रतिस्पर्धा की स्वस्थ भावना और आत्मविश्वास भी बढ़ाती हैं। भविष्य में भी इस प्रकार की ज्ञानवर्धक गतिविधियों का निरंतर आयोजन किया जाय जिससे विद्यार्थियों का सर्वांगीण विकास हो सके। संचालन करते हुये विजय प्रकाश चौधरी ने सामान्य ज्ञान प्रतियोगिता के उद्देश्यों पर विस्तार से प्रकाश डाला। विजेताओं को जब पुरस्कार मिला तो उनके चेहरों पर प्रसन्नता, आत्मविश्वास देखने लायक था।

कार्यक्रम में अतुल चौधरी, रमेश चंद्र शिव चंद्र पासवान, विनोद मौर्या, कुलदीप सूरज गौतम तेजेंद्र निषाद के साथ ही अनेक अभिभावक, शिक्षक, छात्र उपस्थित रहे।

4.49 करोड़ की साइबर ठगी का गिरोह धराया: 6 गिरफ्तार

–भारतीय बस्ती संवाददाता–

बस्ती । जिले में एक बड़े साइबर ठगी गिरोह का पर्दाफाश हुआ है। कोतवाली, लालगंज थाना और साइबर सेल की संयुक्त टीम ने मेवात कनेक्शन वाले इस गिरोह के छह सदस्यों को गिरफ्तार किया है। यह गिरोह सरकारी योजनाओं, इन्वेस्टमेंट ट्रेडिंग और मुफ्त बैंक खाता खोलने का लालच देकर 'म्यूल खाते' तैयार करता था।

डीआईजी संजीव त्यागी ने बताया कि गिरफ्तार आरोपियों में लालगंज क्षेत्र के सुजीत चौधरी, निपेन्द्र चौधरी और रामनाथ चौहान शामिल हैं। इसके अलावा, कोतवाली और हरैया क्षेत्र से जुड़े मामलों में अश्विनी पाठक, निखिल त्रिपाठी और प्रशांत मिश्रा को भी पकड़ा गया है। इनमें से तीन आरोपियों को मथौली छठ पोखरे के पास सुबह 8.10 बजे और अन्य तीन को रोडवेज बस स्टैंड बस्ती से सुबह 9 बजे हिरासत में लिया गया।

कोतवाली, लालगंज और सोनहा थानों में दर्ज तीन गंभीर मामलों की जांच के दौरान यह खुलासा हुआ। आरोपियों ने अब तक 38 बैंक खातों का दुरुपयोग किया है, जिन पर विभिन्न राज्यों से 74 से अधिक साइबर धोखाधड़ी की शिकायतें दर्ज हैं। कुल 4 करोड़ 49 लाख 61 हजार रुपये की ठगी का मामला सामने आया है। पुलिस के अनुसार, यह गिरोह मेवात स्थित साइबर ऑपरेटर्स के साथ मिलकर इन खातों का इस्तेमाल करता था। मेवात से ठगी गई रकम बस्ती के इन 'म्यूल खातों' में प्राप्त की जाती थी, जिसके बाद इसे आगे ठिकाने लगाया जाता था।

आरोपियों का ठगी का तरीका सुनियोजित था। वे गांव–गांव घूमकर लोगों को सरकारी योजनाओं, मुफ्त बैंक खाते और ट्रेडिंग में अधिक लाभ का लालच देते थे। खाता खुलवाने के बाद वे एटीएम कार्ड, पासबुक, चेकबुक और सिम कार्ड अपने पास रख लेते थे। यदि कोई पीड़ित इसका विरोध करता था, तो उसे धमकी भी दी जाती थी।

इस संयुक्त कार्रवाई में कोतवाली प्रभारी दिनेश चंद्र चौधरी, लालगंज प्रभारी संजय कुमार, साइबर थाना प्रभारी कुलदीप त्रिपाठी और साइबर सेल प्रभारी शेषनाथ गौड़ की टीम शामिल थी। पुलिस ने आरोपियों से तीन मोबाइल, 650 रुपये नकद और एक बैंक पासबुक बरामद की है। पुलिस अब गिरोह के मेवात कनेक्शन की तकनीकी जांच कर रही है और फरार आरोपियों की तलाश जारी है।

"मुझे अखबार निकालने दो तो मै इस बात की परवाह नहीं करता कि कौन धर्म का नियामक है और कौन कानून का निर्माता"–वेंडेल फिलिप्स

दैनिक
भारतीय बस्ती
बस्ती 1 दिसम्बर 2025 सोमवार

सम्पादकीय

शीतकालीन सत्र, मुद्दे और सरकार

संसद का शीतकालीन सत्र 1 दिंसबर, सोमवार से शुरू हो रहा है। शीतकालीन सत्र 19 दिसंबर तक चलेगा। एक तरफ जहां सरकार इस दौरान सरकार परमाणु ऊर्जा क्षेत्र, उच्च शिक्षा ढांचा सुधार और कॉरपोरेट,शेयर बाजार विनियम समेत 10 महत्त्वपूर्ण विधेयक रखने जा रही है। वहीं, दूसरी ओर विपक्ष एसआईआर के मुद्दे पर सरकार को घेरने की तैयारियों में है। संसद के शीतकालीन सत्र में सरकार असैन्य परमाणु क्षेत्र को निजी कंपनियों के लिए खोलने संबंधी विधेयक के साथ अपने सुधार एजेंडे को आगे बढ़ाएगी। वहीं, विपक्ष द्वारा राष्ट्रीय राजधानी में वायु प्रदूषण के मुद्दे के अलावा 12 राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों में एसआईआर के मुद्दे पर सरकार को घेरने की संभावना है। यह आशंका पहले से प्रबल है कि यह सत्र भी हंगामों की भेंट न चढ जाय। सच तो ये है कि हंगामे का सीधा लाभ सत्ता पक्ष को मिलता है और बिना बहस के विधेयकों को पारित करा लेने का लाभ मिल जाता है। संसद में काम के घंटे लगातार कम होते जा रहे हैं। यह स्थितियां लोकतंत्र के लिये शुभ लक्षण नहीं है। बहस से ही लोकतंत्र और संसदीय मर्यादायें मजबूत होती हैं।

संसद के शीतकालीन सत्र को देखते हुए सर्वदलीय बैठक आयोजित किया जाना एक सहज–स्वाभाविक औपचारिकता है। अभी तक का अनुभव यही बताता है कि ऐसी बैठकों में पक्ष–विपक्ष की ओर से संसद को सुचारु रूप से चलाने को लेकर जिस आम सहमति का प्रदर्शन किया जाता है, उसका पहले ही दिन लोप हो जाता है। ऐसी बैठकों में जहां विपक्ष अपनी दृष्टि से महत्वपूर्ण माने जाने वाले मुद्दों को उठाने पर बल देता है, वहीं सत्तापक्ष सभी विषयों पर गंभीर चर्चा कराने की हामी भरता है, लेकिन संसद में ऐसा कुछ मुश्किल से ही देखने को मिलता है। वहां देखने को मिलता है, नारेबाजी, हंगामा, कार्यवाही का स्थगन आदि। यह किसी से छिपा नहीं कि अब आम तौर पर संसद सत्र का शुभारंभ भी हंगामे से होता है और समापन भी।

इस बार भी ऐसा ही हो तो हैरानी नहीं, क्योंकि विपक्ष अपने अन्य प्रिय मुद्दों के साथ मतदाता सूचियों के विशेष गहन पुनरीक्षण यानी एसआईआर पर चर्चा चाहता है। इसमें हर्ज नहीं, लेकिन इसकी अनदेखी न की जाए कि संसद के पिछले सत्र में भी विपक्ष ने इस विषय को खूब तूल दिया था, क्योंकि तब बिहार में एसआईआर की प्रक्रिया जारी थी। उस समय संसद के बाहर भी एसआईआर को वोट चोरी बताकर शोर मचाया गया और संसद के भीतर भी। एसआईआर के विरोध में संसद के बाहर और भीतर हंगामा करने के बाद भी विपक्ष को कुछ हासिल नहीं हुआ था। चूंकि सुप्रीम कोर्ट ने बिहार में एसआईआर की प्रक्रिया को सही माना, इसलिए विपक्ष को एक तरह से मुंह की खानी पड़ी। बिहार के चुनाव नतीजे भी यही बता रहे हैं कि जनता ने एसआईआर को लेकर उठाए गए संदेह भरे सवाल खारिज कर दिए।

विपक्ष एसआईआर को लेकर चाहे जो दावा करे, इसके कहीं कोई आसार नहीं कि सुप्रीम कोर्ट 12 राज्यों में जारी एसआईआर की प्रक्रिया पर रोक लगाने की जरूरत समझेगा। वैसे भी इन राज्यों में एसआईआर को लेकर जब तक सुनवाई पूरी होगी, तब तक उसकी प्रक्रिया पूरी हो चुकी होगी। इसमें संदेह है कि विपक्षी दल एसआईआर के विरोध में संसद में अकाट्य दलीलें देकर सरकार को घेरने में सक्षम हो जाएंगे, क्योंकि वे ऐसी कोई दलील सुप्रीम कोर्ट के समक्ष प्रस्तुत कर पाने में नाकाम हैं। हां इतना जरूर हुआ कि एसआईआर की समय सीमा 7 दिनों के लिये बढा दी गई।

समझना कठिन है कि विपक्षी दल यह क्यों चाहते हैं कि चुनाव आयोग एसआईआर संबंधी अपनी जिम्मेदारी का निर्वहन न करे? क्या एसआईआर न करने से मतदाता सूचियों की विसंगतियां दूर हो जाएंगी? हालांकि संसद का आगामी सत्र अपेक्षाकृत छोटा है, पर उसमें कई महत्वपूर्ण विधेयक पेश किए जाने हैं। कायदे से उन पर सार्थक बहस होनी चाहिए, लेकिन आशंका यही है कि वे हंगामे के बीच बिना किसी बहस के पारित हो सकते हैं।

बीच बहस में वंदे मातरम, जय हिंद

–नीरज कुमार दुबे–

वंदे मातरम के 150 वर्ष पूरे होने पर देशभर में जारी कार्यक्रमों की श्रृंखला के बीच ही राष्ट्रीय गीत को लेकर एक नई राजनीतिक बहस छिड़ गई है। दरअसल, राज्यसभा सचिवालय द्वारा जारी एक प्रोटोकॉल नोट को विपक्षी दलों ने ''वंदे मातरम विरोध'' की कोशिश बताते हुए तीखी प्रतिक्रिया दी है। यह विवाद उस समय उभरा जब एक संसदीय बुलेटिन में सांसदों को यह याद दिलाया गया कि सदन के भीतर किसी भी प्रकार के नारे चाहे 'जय हिंद', 'वंदे मातरम' हो या अन्य, लगाना संसदीय शिष्टाचार के विरुद्ध है। विपक्ष ने इसे आधार बनाकर केंद्र सरकार पर राष्ट्रगीत और देशभक्ति के नारों पर रोक लगाने का आरोप लगाया।

कांग्रेस प्रवक्ता सुप्रिया श्रीनेत ने कहा कि ''आखिर 'वंदे मातरम' और 'जय हिंद' जैसे नारे लगाने में आपत्ति किस बात की है? ब्रिटिश शासन को तो इन नारों से समस्या थी, क्या अब भाजपा को भी वही समस्या हो गई है?'' उन्होंने कहा कि वंदे मातरम को ब्रिटिश शासन ने कई बार प्रतिबंधित किया था और इसे गाने वाले स्वतंत्रता सेनानियों को गिरफ्तार तक किया गया था। इस बीच, पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने भी इस विवाद में कूदते हुए चिंता जताई कि संसद में ''जय हिंद'' और ''वंदे मातरम'' पर कथित रोक क्या बंगाल की पहचान को कमजोर करने का प्रयास है। उन्होंने कहा, ''वंदे मातरम हमारा राष्ट्रगीत है, इसे कैसे भुलाया जा सकता है?''

दूसरी ओर, विवाद के बीच, विशेषज्ञों ने स्पष्ट किया है कि यह दिशानिर्देश नया नहीं है बल्कि संसद की पुरानी परंपरा का हिस्सा है। 1948 में संविधान सभा के अध्यक्ष ने सदन में किसी भी प्रकार के नारेकृ 'थैंक यू', 'जय हिंद', 'वंदे मातरम', को अनुपयुक्त बताया था। 1962 में लोकसभा में भी यही परंपरा दोहराई गई, जब स्पीकर ने नारेबाजी को ''जनसभा जैसा व्यवहार'' करार दिया था। ये नियम दशकों से प्रचलित हैं और हर सत्र से पहले जारी होने वाले बुलेटिन में इनका उल्लेख किया जाता रहा है। राजनीतिक आरोप–प्रत्यारोप के बीच यह तथ्य भी स्पष्ट है कि बुलेटिन किसी भी सरकार के निर्देश पर नहीं बल्कि सदन के सभापति या अध्यक्ष की परंपरागत अधिकारिता के तहत जारी किया जाता है और इसका उद्देश्य केवल संसदीय मर्यादा बनाए रखना है।

देखा जाये तो राज्यसभा सचिवालय के एक नियमित नोट को लेकर जिस प्रकार विपक्ष, विशेषकर कांग्रेस और ममता बनर्जी, ने केंद्र सरकार पर ''वंदे मातरम विरोध'' का आरोप लगाया है, वह तथ्यहीनता और राजनीतिक अवसरवाद का उदाहरण है। संसदीय परंपराएँ किसी दल की ''मर्जी'' से नहीं, दशकों की संवैधानिक प्रक्रिया से बनती हैं। 1948 से लेकर आज तक सदन के भीतर नारे लगाने पर रोक सिर्फ इसलिए है कि संसद जनसभा नहींय यहाँ तर्क, विमर्श और गरिमा की अपेक्षा होती है। यह परंपरा तब भी लागू थी जब कांग्रेस सत्ता में थी, आज भी लागू है। फिर भी कांग्रेस का आक्रोश समझ से परे है। यह वही पार्टी है जिसने 1930–40 के दशक में वंदे मातरम को अपने भीतर ही विवाद का केंद्र बना दिया था और अंततः 1935 में इसे ''छाँट'' कर अपनाया, ताकि वह कुछ विशेष तबकों को नाराज न कर दे। आज वही कांग्रेस इस गीत को लेकर ''आहत भाव'' का दावा करते हुए दिखाई दे रही है।

ममता बनर्जी का रुख भी कोई नया संदेश नहीं देता। वे वर्षों से राष्ट्रीय प्रतीकों और नारों से सावधानी बरतती रही हैं, यह सोचकर कि कहीं उनका राजनीतिक आधार इससे प्रभावित न हो जाए। किंतु जब पुरानी संसदीय परंपरा पर आधारित एक बुलेटिन सामने आता है, तो अचानक उन्हें ''बंगाल की पहचान'' की चिंता सताने लगती है। यह चिंता वास्तविक से अधिक राजनीतिक प्रतीत होती है।

यहाँ मूल प्रश्न यह नहीं है कि कौन ''वंदे मातरम'' के पक्ष में है और कौन नहीं, वंदे मातरम भारत का राष्ट्रगीत है और समस्त राष्ट्र इसका सम्मान करता है। असली प्रश्न है कि क्या राष्ट्रीय भावनाओं का उपयोग राजनीतिक लाभ के लिए किया जाना चाहिए? देखा जाये तो राजनीति में मतभेद स्वाभाविक हैं, लेकिन राष्ट्रीय प्रतीकों पर झूठा विवाद खड़ा करना लोकतांत्रिक विमर्श को कमजोर करता है। संसद की परंपराओं पर उंगली उठाने से पहले विपक्ष को अपने ऐतिहासिक रुख पर भी नजर डालनी चाहिए। वंदे मातरम का 150वाँ वर्ष हमें यह याद दिलाता है कि यह गीत विभाजन नहीं, संघर्ष, समर्पण और एकता का प्रतीक है। राजनीतिक आरोपों की धूल हटाकर देखें तो यही संदेश सबसे साफ दिखाई देता है। (इस लेख में लेखक के अपने विचार हैं।)

स्पेशल रेल गाड़ियों के संचालन का सच

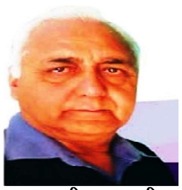

–तनवीर जाफरी–

इस समय आपको देश के कई भाग से इसी तरह की अनेक ट्रेन स्पेशल ट्रेन या क्लोन ट्रेन के नाम से चलती दिखाई दे जाएँगी। प्राप्त जानकारी के अनुसार इनमें अधिकांश स्पेशल या क्लोन ट्रेन इसी तरह घंटों नहीं बल्कि दिन के हिसाब से लेट चल रही हैं। जानकारी जुटाने पर पता चला कि यह वही ट्रेन्स हैं जिन्हें पिछले दिनों त्योहारों के दौरान स्पेशल ट्रेन या क्लोन ट्रेन के नाम से चलाया गया था।

गत दिनों अपने किसी निजी कार्यवश अचानक बिहार जाने का कार्यक्रम बन गया। प्रायः शहीद या सरयू यमुना एक्सप्रेस से पूर्व निर्धारित कार्यक्रम के अनुसार मेरा दरभंगा आना जाना होता है परन्तु इस बार चूँकि मात्र एक सप्ताह पूर्व ही दरभंगा जाने की तिथि निर्धारित हुई इसलिये शहीद या सरयू यमुना एक्सप्रेस में आरक्षण न मिल पाने के चलते आने जाने हेतु अन्य विकल्प तलाश करने पड़े। ऐसे ही वैकल्पिक ट्रेन थी अमृतसर – जयनगर 'स्पेशल ट्रेन' यानी 04652 । इस ट्रेन के अमृतसर से अंबाला पहुंचने का निर्धारित समय दोपहर 2 बजकर 50 मिनट था और दरभंगा पहुंचने का निर्धारित समय अगले दिन शाम 5. 30 बजे था। अर्थात पूरी यात्रा लगभग 26 घंटे 30 में तय होनी थी। परन्तु यह ट्रेन अगले दिन शाम 5.30 बजे दरभंगा पहुँचने के बजाये तीसरे दिन सुबह लगभग 8.30 बजे पहुंची। यानी यह श्स्पेशल ट्रेनश 04652 लगभग 15 घंटे की देरी से दरभंगा पहुंची। इतना ही नहीं जहाँ दूसरी मेल एक्सप्रेस ट्रेन्स का अंबाला–दरभंगा का ए सी थ्री का किराया लगभग 1500 रुपये है वहीं इस तथाकथित श्स्पेशल ट्रेनश के नाम पर यात्रियों से किराया भी करीब 2000 रूपये वसूल किये गये।

इसी तरह वापसी के लिये भी जिस ट्रेन में ए सी थ्री श्रेणी में आरक्षण मिल सका वह भी दरभंगा–नई दिल्ली स्पेशल ट्रेन 02569 थी। इसका भी दरभंगा से छूटने का निर्धारित समय सुबह 6 बजकर 30 मिनट था परन्तु यह वहां से प्रातः 9 बजकर 40 मिनट पर यानी तीन घंटा दस मिंट के विलंब से रवाना हुई। और अपने निर्धारित समय यानी अगले दिन सुबह 4 बजे नई दिल्ली पहुँचने वाली यह स्पेशल ट्रेन लगभग 1. 30 बजे दोपहर अर्थात करीब दस घंटे की देरी से नई दिल्ली स्टेशन पहुँच सकी। इसका भी ए सी थ्री श्रेणी का किराया 1900 रूपये था जबकि अन्य सामान्य मेल एक्सप्रेस ट्रेन्स में 1500 के आस पास होता है। इस लेट लतीफी के परिणाम स्वरूप कितने यात्रियों को किन किन परेशानियों का सामना करना पड़ा रेल विभाग को इससे कोई लेना देना नहीं। रास्ते में ट्रेन में खाने पीने व वाशरूम में जल आपूर्ति संबंधी कैसी कैसी परेशानियों का सामना यात्रियों ने किया रेल विभाग से इसका भी कोई वास्ता नहीं। रेल विभाग को तो यात्रियों की जेब से श्स्पेशल ट्रेनश के नाम पर ठगे गए फालतू किराये भर से ही मतलब है।

इस समय आपको देश के कई भाग से इसी तरह की अनेक ट्रेन स्पेशल ट्रेन या क्लोन ट्रेन के नाम से चलती दिखाई दे जाएँगी। प्राप्त जानकारी के अनुसार इनमें अधिकांश स्पेशल या क्लोन ट्रेन इसी तरह घंटों नहीं बल्कि दिन के हिसाब से लेट चल रही हैं। जानकारी जुटाने पर पता चला कि यह वही ट्रेन्स हैं जिन्हें पिछले दिनों त्योहारों के दौरान स्पेशल ट्रेन या क्लोन ट्रेन के नाम से चलाया गया था। परंतु चूंकि इसका किराया अन्य ट्रेन्स की तुलना में काफी अधिक है और यात्रियों की संख्या अधिक होने के चलते यह ट्रेन्स त्यौहार खत्म होने के बावजूद अभी भी यात्रियों की भारी भीड़ ढो रही हैं इसलिये रेल विभाग भी इसे अपनी कमाऊ योजना समझकर त्यौहार खत्म होने के बावजूद अभी भी चला रहा है।अब चूँकि इस तरह की स्पेशल या क्लोन रुपी ट्रेन्स सप्ताह में 3 या चार दिन ही चलती हैं इसलिये इनके एक या दो दिन लेट हो जाने पर भी रेल विभाग को कोई फर्क नहीं पड़ता। हाँ यात्रियों को जो परेशानियां उठानी पड़ती है उसका रेल विभाग या सरकार से कोई वास्ता ही नहीं। किसी यात्री की अस्पताल में डॉक्टर से महीनों पहले ली गयी अपॉइंटमेंट निरस्त हो जाती है जिससे उसकी जान व सेहत प्रभावित होती है। किसी की परीक्षा छूट जाती है किसी को नौकरी ज्वाइन करनी होती है किसी को शादी ब्याह में शामिल होना होता है। गोया लोगों की तरह तरह की व्यस्तताओं पर रेल विभसग की लेट लतीफी पानी फेर देती है। जब स्पेशल या क्लोन ट्रेन के नाम पर संचालित रेलगाड़ियों की यह स्थिति है तो सामान्य ट्रेन्स की हालत का अंदाजा भी आसानी से लगाया जा सकता है। खासकर बिहार की ओर जाने वाली गाड़ियां तो लगभग हमेशा ही विलंब व अति विलंब से ही चलती हैं। सुबह की ट्रेन शाम व शाम को पहुँचने वाली ट्रेन का अगले दिन सुबह अपने गंतव्य तक पहुंचना तो गोया आम बात हो चुकी है।

सच तो यह है कि सरकार की प्राथमिकताओं में पहले से चल रही सामान्य एक्सप्रेस व मेल ट्रेन्स को निर्धारित समय सारिणी के अनुसार संचालित करना नहीं बल्कि वंदे भारत ट्रेन्स की संख्या बढ़ाना है। वंदे भारत ट्रेन्स संचालित करने के पीछे भी यही कहानी है कि इसमें अन्य ट्रेन्स की तुलना में किराया काफी अधिक है जिसे साधारण व्यक्ति खासकर 5 किलो मुफ्त राशन पर जीने को मजबूर व 10 हजार रूपये लेकर वोट डालने वाली महिलायें तो कम से कम सहन नहीं कर सकतीं। सरकार की दूसरी प्राथमिकता देश के चुनिंदा रेल स्टेशन को चमकाने व उनका रंग रोगन करने की है। भले ही इन स्टेशन पर भिखारी कुत्ते गाय सांड आदि क्यों न डेरा जमाये हों। देश के अधिकांश रेलवे स्टेशन दशकों से नशेड़ियों व अपराधियों की शरण स्थली बने हुये हैं। आज भी देश के अनेक स्टेशन पर लूट चोरी ,जेब कतरी,जहर खुरानी,अवैध यात्री,रिश्वत खोरी आदि अपराध धड़ल्ले से अंजाम दिए जाते हैं। शर्मनाक तो यह है कि देश के तमाम रेल स्टेशन पर बाकायदा रेल विभाग की ओर से लाउडस्पीकर से जेब कतरों से सावधान रहने,जहर खुरानी से बचने व अपने सामन की सुरक्षा करने जैसी घोषणायें बार बार की जाती हैं। परन्तु सरकार के पास यात्रियों को सुरक्षित व आरामदायक यात्रा मुहैया कराने की न तो कोई योजना है और शायद न ही यह उसकी भावी योजनाओं का हिस्सा प्रतीत होती है। बल्कि सरकार तो बुलेट ट्रेन चलाने की योजना पर काम कर रही है। शायद बिहार जैसे राज्यों से आने वाले ताजातरीन चुनाव परिणामों के बाद सरकार इस निष्कर्ष पर भी पहुँच चुकी है कि यू पी व बिहार जैसे घनी आबादी वाले राज्यों की जनता जब मुफ्त राशन व नकद पैसों के बदले वोट दे ही देती है तो उसे निर्धारित समय सारिणी के अनुसार ट्रेन संचालन जैसे विषय से क्या लेना देना ? और जिस जागरूक व शिक्षित वर्ग के रेल यात्री ट्रेन्स की लेटलतीफी या ट्रेन संचालन की अन्य त्रुटियों से प्रभावित होते भी हैं या इसे महसूस करते हैं उनकी संख्या श्लाभार्थी मतदाताओं श से तो आखिर कम ही है ? जो भी हो परन्तु कुल मिलाकर यही है देश में चल रही 'स्पेशल रेल गाड़ियों' के संचालन की सच्चाई।

'सी.ओ.पी.30' जी–20' समिट और भारत

–मनीष तिवारी–

सी.ओ.पी.30 एक बड़ी निराशा के साथ खत्म हुआ। फाइनल डील में जीवाश्म ईंधन के इस्तेमाल को धीरे–धीरे खत्म करने पर कोई पक्का वादा नहीं था जबकि कोलंबिया, पनामा और उरुग्वे समेत 80 से ज्यादा देशों ने ऐसा करने की मांग की थी। हालांकि, सम्मेलन में कोयला, तेल और गैस का इस्तेमाल कम करने के लिए साफ भाषा अपनाने का दबाव था लेकिन सी.ओ.पी.30 का आखिरी नतीजा सिर्फ ऊर्जा के दूसरे सोर्स पर जाने के लिए अपनी मर्जी से, बिना किसी शर्त के रोडमैप का एक सैट था। इसके अलावा, दो ट्रैक (एक यू.एन.के अंदर और एक बाहर) बनाए गए , जिससे असल में दोनों ट्रैक से लागू करने के तरीके हट गए।

नवंबर 2025 में, दो बड़े वैश्विक सम्मेलन हुए– ब्राजील के बेलेम में सी.ओ.पी.30 और साऊथ अफ्रीका के जोहान्सबर्ग में जी–20। हालांकि बयानबाजी में कुछ हद तक एक जैसे थे लेकिन उन्होंने क्लाइमेट एक्शन और मल्टीलेटरल कोऑपरेशन के अलग–अलग नजरिए पर जोर दिया। दोनों सम्मेलनों ने क्लाइमेट एक्शन की जरूरत को माना लेकिन सी.ओ.पी.30 और जी–20 सम्मेलन के नतीजों ने जीवाश्म ईंधन और क्लाइमेट फाइनैंस से जुड़े मुद्दों पर उनके नजरिए में काफी अंतर दिखाया। इसके अलावा, उन्होंने मौजूदा वैश्विक शासन संस्थानों में बड़ी कमियों को भी उजागर किया और भारत समेत कई देशों के लिए जरूरी चुनौतियां खड़ी कीं। सम्मेलन कहां अलग–अलग होते हैं।

सी.ओ.पी.30 एक बड़ी निराशा के साथ खत्म हुआ। फाइनल डील में जीवाश्म ईंधन के इस्तेमाल को धीरे–धीरे खत्म करने पर कोई पक्का वादा नहीं था जबकि कोलंबिया, पनामा और उरुग्वे समेत 80 से ज्यादा देशों ने ऐसा करने की मांग की थी। हालांकि, सम्मेलन में कोयला, तेल और गैस का इस्तेमाल कम करने के लिए साफ भाषा अपनाने का दबाव था लेकिन सी.ओ.पी.30 का आखिरी नतीजा सिर्फ ऊर्जा के दूसरे सोर्स पर जाने के लिए अपनी मर्जी से, बिना किसी शर्त के रोडमैप का एक सैट था। इसके अलावा, दो ट्रैक (एक यू.एन.के अंदर और एक बाहर) बनाए गए , जिससे असल में दोनों ट्रैक से लागू करने के तरीके हट गए।

इसी तरह, जी–20 ने एक लीडर की घोषणा करते समय सावधानी बरती, जिसमें क्लाइमेट चेंज को इमरजैंसी मानने की जरूरत को माना गया और 2030 तक रिन्यूएबल एनर्जी के इस्तेमाल को तीन गुना करने का लक्ष्य बताया गया, कम कार्बन ऊर्जा सोर्स में बदलाव के तरीके के तौर पर 'टैक्नोलॉजी न्यूट्रैलिटी' के विचार का समर्थन करते हुए, घोषणा में 'एनर्जी सिक्योरिटी' को जीवाश्म ईंधन के साथ–साथ रिन्यूएबल एनर्जी में निवेश करने का एक सही कारण माना गया। सभी सदस्य देशों के बीच आम सहमति बनाने के लिए कंटैंट को जल्दबाजी में तैयार किया गया था, इसलिए समझौते के लिए महत्वाकांक्षा को कुर्बान कर दिया गया। जीवाश्म ईंधन के इंटरैस्ट दोनों सम्मेलनों में प्रतिभागियों के बीच सबसे बड़ा मतभेद वाला क्षेत्र दिखाते हैं।

सऊदी अरब, रूस और दूसरे तेल बनाने वाले देश (जैसे यू.ए.ई.) दोनों मीटिंग में उत्सर्जन कम करने के लिए कानूनी रूप से बाइंडिंग कमिटमैंट्स को रोकने में अहम भूमिका निभा रहे थे। सऊदी अरब पहले के ग्लोबल क्लाइमेट सम्मेलन में प्रतिभागी होने के बावजूद, जीवाश्म ईंधन को धीरे–धीरे खत्म करने के बारे में खास भाषा को लागू करने से रोकने में खास तौर पर सफल रहा है। आखिरकार, इन देशों की बड़े एमिटर के तौर पर एकजुट होने की क्षमता, विकसित देशों के बीच आम सहमति की इच्छा और विकासशील और विकसित देशों के बीच बंटवारे के कारण ग्लोबल जीवाश्म ईंधन लिमिट विकसित करने की राजनीतिक इच्छा की कमी हुई।

भारत ने क्लाइमेट इक्विटी और रिन्यूएबल एनर्जी डिवैल्पमैंट का समर्थन करते हुए, जीवाश्म ईंधन की पक्की टाइमलाइन का भी विरोध किया। भारत ने विकास की जरूरत के आधार पर इस बात को सही ठहराया, यह तर्क देते हुए कि विकसित देशों पर उत्सर्जन के लिए ऐतिहासिक जिम्मेदारी है और उन्हें पहले गरीब देशों में बदलावों को फाइनैंस करना चाहिए। हालांकि यह सही इक्विटी सिद्धांतों पर आधारित था लेकिन इस रुख ने यूनिवर्सल जीवाश्म ईंधन कमिटमैंट्स को स्थापित करने की कोशिशों को मुश्किल बना दिया।

क्लाइमेट फाइनैंस गैप – सी.ओ.पी.30 और जी–20 सम्मेलनों ने लगातार ग्लोबल फाइनैंस घाटे पर जोर दिया। सी.ओ.पी.30 ने 2035 तक एडैप्टेशन फाइनैंस में 1.3 ट्रिलियन डॉलर तक पहुंचने का लक्ष्य घोषित किया लेकिन बिना किसी बाध्यकारी फंडिंग पाथवे या अकाऊंटेबिलिटी मैकेनिज्म के। जी–20 ने भी इसी तरह 'बिलियन से ट्रिलियन' तक जाने की जरूरत को माना लेकिन मोबिलाइजेशन स्ट्रैटेजी पर बहुत कम सफाई दी। विकासशील देशों को क्लाइमेट लक्षित को पूरा करने के लिए 2030 तक हर साल लगभग +5.8–+5.9 ट्रिलियन की जरूरत है जो मौजूदा कमिटमैंट्स से कहीं ज्यादा है। रियो (1992) से किए गए वादों को पूरा करने में विकसित देशों की लंबे समय से चली आ रही नाकामी ग्लोबल क्लाइमेट को ऑपरेशन में भरोसा और वैधता को कम करती जा रही है। जैसा कि भारत ग्लोबल साऊथ की तरफ से तर्क देता है कि यह कमी सिर्फ फाइनैंसिंग का गैप नहीं है, यह क्लाइमेट इक्विटी और न्याय का उल्लंघन है।

भारत की स्ट्रैटेजिक पोजीशनरू भारत टूटे हुए क्लाइमेट लैंडस्केप को सावधानी से देखता है। इसने 2005 से पहले के रिन्यूएबल एनर्जी लक्ष्य को पार कर लिया है और एमिशन इंटैंसिटी को 36 प्रतिशत तक कम कर दिया है जिससे पता चलता है कि विकास और क्लाइमेट एक्शन एक साथ आगे बढ़ सकते हैं। फिर भी, कोयले से भारत की 74 प्रतिशत से ज्यादा बिजली बनती है और ग्रोथ और डीकार्बोनाइजेशन के बीच जारी ग्लोबल टैंशन को दिखाते हुए कोई फिक्स्ड फेज–आऊट टाइमलाइन नहीं है। भारत जैसे विकासशील देशों को कई अलग–अलग इंस्टीच्यूशन पर अपना डिप्लोमैटिक असर डालने की एक और चुनौती का सामना करना पड़ता है, साथ ही उन्हें बराबरी के सिद्धांतों पर आधारित गठबंधन बनाने की दिशा में काम करना पड़ता है। ग्लोबल गवर्नेंस क्लाइमेट चेंज से असरदार तरीके से निपटने के लिए इन मतभेदों को किस हद तक दूर कर पाएगा, यह अभी भी बहुत पक्का नहीं है।

डेढ़ साल के बच्चे का पेट खा गया तेंदुआ, मां के बगल में सो रहा था, बुआ के घर शादी में आया था

रोहित
मृतक

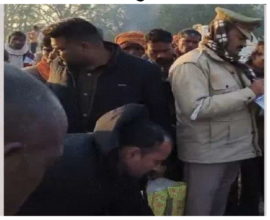

संवाददाता—बलरामपुर। मां के पास सो रहे डेढ़ साल के बच्चे को तेंदुआ उठा ले गया। आवाज सुनकर घर के लोगों ने पीछा किया, लेकिन तेंदुआ रात के अंधेरे में गायब हो गया। घरवाले बच्चे को ढूंढने निकले, तो घर से 150 मीटर दूर जंगल में उसका शव मिला। तेंदुए ने बच्चे का पेट खा लिया था। शव देखते ही मासूम की मां बेहोश हो गई। वहां मौजूद लोगों ने इस बारे में पुलिस और वन विभाग की टीम को बताया। पुलिस मौके पर पहुंची और शव पोस्टमॉर्टम के लिए भेज दिया। वन विभाग की टीम तेंदुए की तलाश में जुटी है। बच्चा घरवालों के साथ शुक्रवार को अपनी बुआ के घर शादी में आया था। घटना शनिवार देर रात 2–3 बजे के बीच बनकटवा रेंज के रेहारपुरवा झौहना गांव की है। हरैया थाना क्षेत्र के मजरे गुरदास पुरवा गांव के रहने वाले शेषराम किसानी मजदूरी करते हैं। उनकी शादी 4 साल पहले चनावती देवी से हुई थी। दोनों का डेढ़ साल का एक बेटा रोहित था। चनावती ने बताया कि वह रेहारपुरवा गांव में अपने ननदोई भगवत राम के यहां शादी कार्यक्रम में शामिल होने आई थी। शनिवार रात करीब 2 बजे वह अपने बेटे रोहित के साथ घर में लेटी थी। अचानक तेंदुआ घर में घुस आया और पास में सो रहे रोहित को उठाकर भागने लगा। शोर सुनकर चनावती उठी और शोर मचाते हुए तेंदुए के पीछे भागी। साथ में घर के बाकी के लोग लाठी–डंडा लेकर निकले। इतने में तेंदुआ रोहित को लेकर अंधेरे में गायब हो गया। इसके बाद घरवालों ने पुलिस और वन विभाग को घटना की सूचना दी। घरवालों ने पुलिस के साथ मिलकर बच्चे की तलाश की। घर से करीब 150 मीटर दूर बच्चे का पेट खाया हुआ शव मिला। बनकटवा रेंज का मजरे रेहारपुरवा गांव जंगल के काफी नजदीक गांव है। गांव से जंगल की दूरी करीब 500 मीटर है। घटनास्थल और बच्चे की बुआ के घर की दूरी करीब 8 किमी है। रेंजर सत्रोहन लाल ने बताया कि बच्चे पर जंगली जानवर का हमला हुआ है। जांच चल रही है। गांव में वन विभाग की टीम तैनात कर दी गई है। इससे पहले शनिवार सुबह तुलसीपुर यूनिट के गौरा थाना क्षेत्र के त्रिलोकपुर गांव में नजदीक झाड़ियों में एक तेंदुए ने नीलगाय का शिकार बनाया था। लोगों के शोर मचाने पर वह कुछ देर के लिए नीलगाय को छोड़कर हट गया। लेकिन, थोड़ी ही देर में फिर लौटकर नीलगाय को घसीटकर पास की झाड़ियों में ले गया। ग्राम प्रधान मोहम्मद इरफान के मुताबिक, तेंदुआ रविवार सुबह से भी 4–5 बार गांव के नजदीक दिखाई दे चुका है।

पेड़ से लटके मिले पति-पत्नी के शव

संवाददाता—कुशीनगर। तुर्कपट्टी थाना क्षेत्र के गुरवलिया स्थित बेनीभार गांव में रविवार सुबह लगभग सात बजे हड़कंप मच गया। यहां गांव के बाहर राहगीरों ने एक पेड़ से पति–पत्नी के शव संदिग्ध परिस्थितियों में लटके हुए देख। उन्होंने घटना की जानकारी स्थानीय लोगों को दी। सूचना मिलते ही इलाके में सनसनी फैल गई।

जिसके बाद ग्रामीणों ने तत्काल तुर्कपट्टी थाना पुलिस को सूचना दी। सूचना मिलते ही पुलिस टीम मौके पर पहुंची और घटनास्थल का निरीक्षण किया। फिलहाल प्रारंभिक जांच में यह मामला अत्यंत संदिग्ध माना जा रहा है। जानकारी के अनुसार, मृतक व्यक्ति की यह दूसरी शादी थी और यह घटना उसकी दूसरी पत्नी के साथ हुई है।

स्थानीय लोगों ने बताया कि दंपति के बीच हाल–फिलहाल किसी बड़े विवाद की जानकारी नहीं थी, जिससे घटना और भी रहस्यमय हो गई है। पुलिस ने दोनों शवों को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है। पुलिस सभी संभावित बिंदुओं पर गंभीरता से जांच कर रही है। इसमें यह भी देखा जा रहा है कि क्या यह आत्महत्या का मामला है, किसी मजबूरी के कारण ऐसा हुआ है, या इसमें कोई अन्य पहलू जुड़ा है। अधिकारियों ने बताया कि पोस्टमार्टम रिपोर्ट और अन्य साक्ष्यों के आधार पर ही मौत का वास्तविक कारण स्पष्ट हो पाएगा।

एसआईआर ड्यूटी में लगे लेखपाल की मौत के बाद परिजनों का अंतिम संस्कार से इनकार, डीएम को बुलाने पर अड़े

संवाददाता—देवरिया। जिले के सलेमपुर तहसील में तैनात लेखपाल का शव पोस्टमार्टम के बाद रविवार की भोर में गांव बरवा पहुंचा। इसके बाद परिजन व साथी लेखपाल तहसील प्रशासन के दबाव के चलते लेखपाल की मौत होने का आरोप लगाने लगे। साथ ही जिलाधिकारी को मौके पर बुलाने की मांग कर रहे हैं उनका कहना है कि जब तक दोषियों पर कार्रवाई करने का आश्वासन मौके पर आकर जिलाधिकारी आश्वासन नहीं देती है, तब तक वह शव का अंतिम संस्कार नहीं करेंगे। सलेमपुर विकास खंड के बरवा गांव के रहने वाले आशीष कुमार सलेमपुर तहसील में लेखपाल थे और लार सर्किल में उनकी तैनाती थी। एसआईआर के कार्य में उनकी भी ड्यूटी लगी थी। शुक्रवार को उनकी तबीयत अचानक बिगड़ गई। इसके बाद उन्हें अस्पताल में भर्ती कराया गया। जहां शनिवार की शाम उनकी मौत हो गई। मेडिकल कालेज गोरखपुर में पोस्टमार्टम के बाद उनका शव भोर में गांव पहुंचा। शव गांव पहुंचते ही परिजन दहाड़ मारकर रोने लगे। एसडीएम दिशा श्रीवास्तव, तहसीलदार अलका सिंह समेत अन्य अधिकारी भी पहुंचे। सांत्वना देने के बाद शव का अंतिम संस्कार करने की बात कहने लगे। इस पर परिजन व साथी लेखपाल अंतिम संस्कार करने से मना कर दिए।

लेखपालों का कहना था कि आशीष की ड्यूटी एसआईआर में लगी थी। दबाव के चलते उसकी तबीयत बिगड़ी है और मौत हुई है। जिलाधिकारी आएं और दोषी अधिकारियों पर कार्रवाई, एक करोड़ मुआवजा, सरकारी नौकरी की घोषणा करें, तभी शव का अंतिम संस्कार होगा। एसडीएम, तहसीलदार मनाने में जुटी है। लेकिन कर्मचारी व परिजन उनकी बात मानने से इनकार कर दिए हैं।

लेखपाल के दरवाजे पर अधिकारी पहुंचे और शव के जाने के लिए समझाने लगे। इस पर ग्रामीण आक्रोशित हो गए और हंगामा करने लगे। कई अधिकारियों को तो अभद्र भाषा तक बोल दिए और वहां से भाग जाने के लिए भी कहा। हालांकि एसडीएम दिशा श्रीवास्तव किसी तरह उन्हें समझा बुझाकर शान्त की और जिलाधिकारी के मौके पर आने की बात कही। मौके पर अपर जिलाधिकारी जैनेंद्र सिंह पहुंच कर लोगों को समझाने में जुटे रहे।

झाड़ियों के पास मिला महिला का अधजला शव, शव के कई हिस्से थे गायब

संवाददाता—गोण्डा। धानेपुर थानाक्षेत्र के ग्राम पंचायत रेतवागाड़ा के सुनसान इलाके में एक महिला का अधजला शव मिला है। शव के कई हिस्से गायब थे। इसकी सूचना पुलिस को दी गई। मौके पर पहुंची पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर जांच पड़ताल में जुटी है। गांव में बिसुही नदी के किनारे झाड़ियों से घिरा ऊंचवा दम्मरिया के पास रविवार को दोपहर में उस समय सनसनी फैल गई, जब ग्रामीणों ने झाड़ियों के पास एक अज्ञात महिला का अधजला शव पड़ा देखा। देखते ही देखते घटना की खबर पूरे क्षेत्र में जंगल में की तरह फैल गई और मौके पर लोगों की भीड़ जमा हो गई। ग्रामीणों द्वारा सूचना दिए जाने पर धानेपुर पुलिस तुरंत मौके पर पहुंची और घटनास्थल पर घेरा बनाकर जांच–पड़ताल शुरू कर दी।

बताया जाता है कि शव आधा अधूरा है और शव की हालत बुरी तरह जली हुई होने के कारण उसकी उम्र, पहचान और घटना के वास्तविक समय का निर्धारण फिलहाल कठिन बताया जा रहा है। मौके पर महिला का बायां पैर अधजला अवस्था में शव मिला है। जबकि शरीर के अन्य अंगों को खोजबीन में पुलिस टीम लगी है। पुलिस ने घटनास्थल से कुछ नमूने, जली हड्डियों एवं राख के अवशेष और अन्य संदिग्ध सामग्री कब्जे में लिया है। मौके से कुछ बाल, प्लास्टिक रस्सी, एक चप्पल मिला है। बायें पैर में पायल पहने हुए है।

पुलिस का मानना है कि अभी कुछ अंग कहीं अलग जरूर फेंका गया है। मौके पर पहुंची पुलिस टीम ने आसपास के ग्रामीणों से पूछताछ की लेकिन किसी ने भी मृतका की पहचान करने से इंकार कर दिया। थाना प्रभारी ने बताया कि आसपास के थानों में गुमशुदगी दर्ज कराने वालों का रिकॉर्ड खंगाला जा रहा है, जिससे मृतका की पहचान की जा सके। साथ ही घटनास्थल के आसपास के क्षेत्रों में सघन जांच और संदिग्ध व्यक्तियों की गतिविधियों पर नजर रखी जा रही है। शव को कब्जे में ले लिया गया है, उच्च अधिकारियों को सूचित किया गया है। फोरेंसिक जांच टीम को सूचना दी गई है।

बृजभूषण ने पतंजलि घी की रिपोर्ट पर दिया बयानः कहा– लाखों लोगों की जिंदगी दांव पर लगी, पल्लवी पटेल को बताया राजा

संवाददाता—गोण्डा। कैसरगंज से पूर्व सांसद बृजभूषण शरण सिंह रविवार को जिला मुख्यालय पर आयोजित एक निजी मांगलिक कार्यक्रम में शामिल हुए। मीडिया से बातचीत में उन्होंने पतंजलि के घी के सैंपल फेल होने के मुद्दे पर सरकार और जांच एजेंसियों पर कई सवाल उठाए। पूर्व सांसद ने कहा कि "आज गांवों से विशेषकर किसान परिवारों के लोगों का पलायन बड़ी मात्रा में हो रहा है। मेरा मानना है कि अगर दूध और दूध से बने उत्पादों में मिलावटखोरी रोक दी जाए, तो किसानों के बच्चों का शहरों की ओर पलायन बंद हो सकता है। बृजभूषण ने कहा कि रामदेव के घी का सैंपल अभी फेल हुआ है। मैंने पढ़ा कि उसकी रिपोर्ट 4 साल बाद आई है। यह क्या व्यवस्था है? जो रिपोर्ट 2–4 घंटे में आ जानी चाहिए, वह 4 साल बाद आ रही है। लाखों लोगों की जिंदगी का सवाल है। इतने लंबे समय में कितने लोगों ने वह घी खाया, कितने बीमार पड़े, कितने परिवार प्रभावित हुए। इसकी जिम्मेदारी कौन लेगा? उन्होंने कहा कि एक समय था जब रामदेव एक बड़ा ब्रांड थे। मैंने तो उनका नाम भी नहीं लिया था, लेकिन उनके ही एक चेले ने मुझसे झगड़कर नाम कहलवा दिया। आज जो हालात हैं, वह ब्रांड ही नहीं, कई और बड़े ब्रांड भी मानकों पर खरे नहीं उतरेंगे। कोई भी जांच करा ले। रिपोर्ट 4 साल बाद आने पर सवाल उठाते हुए उन्होंने कहा कि "अगर कोई जांच होगी और उसकी रिपोर्ट 4 साल बाद आएगी, तो सरकार को इसे एक बड़े अभियान के रूप में लेना चाहिए। सिर्फ एक सरकार नहीं, सभी सरकारों को मिलावट के खिलाफ अभियान चलाना चाहिए, ताकि लोगों के जान–माल की रक्षा हो सके। इससे गांवों से किसानों का पलायन रुकेगा, दूध का रेट बढ़ेगा, गांव वाले गाय–भैंस पालकर रोजगार पाएंगे और सम्मान से रह सकेंगे। पतंजलि नाम के उपयोग पर उन्होंने कहा कि उन्होंने स्वदेशी का रास्ता चुना, लेकिन बाद में भटक गए। मैंने पहले भी सवाल उठाया था कि आप 'पतंजलि' नाम का इस्तेमाल करते हैं, महर्षि पतंजलि के लिए आपने क्या किया? आपकी भविष्य की क्या योजना है?" 2029 में चुनाव कहां से लड़ेंगे, इस सवाल पर पूर्व सांसद ने कहा कि हम राजनीतिक व्यक्ति हैं और विद्यार्थी जीवन से ही राजनीति से जुड़े हैं। आज मैं सांसद नहीं हूं, लेकिन 10 जिलों के लोग मेरे घर दिल्ली में आते हैं और मैं उनकी समस्याओं को सुनकर अधिकारियों से बात करता हूं। सांसद जनता बनाती है। पिछले चुनाव में परिस्थिति ऐसी बनी कि पार्टी को निर्णय लेना पड़ा और मेरी जगह मेरी बेटी को टिकट दिया गया। अब आगे देखेंगे कि जनता किस जनप्रतिनिधि से नाराज है और कहां जनता हमें देखना चाहती है। जब पूछा गया कि चुनाव लड़ने को लेकर आप अपना पत्ता कब खोलेंगे, उन्होंने कहा कि ये पत्ता हम नहीं खोलेंगे, जनता छह महीने पहले खोल देगी। जनता बताएगी कि हम कहां से लड़ेंगे। जनता ही हमें चुनाव लड़ाएगी या बैठाएगी। हम किसी से कहलवाएँगे नहीं। एसआईआर फॉर्म भरने को लेकर उन्होंने कहा कि मैं फॉर्म भर चुका हूं। लोगों से मेरी अपील है कि अगर वोट देना हो तो फॉर्म भरें, नहीं देना हो तो मत भरें।" सिराथू विधायक पल्लवी पटेल के बयान पर उन्होंने कहा, "अगर उन्होंने कहा है कि फॉर्म न भरें, तो न भरें। वह राजा हैं। आजकल देश–प्रदेश में बहुत राजा पैदा हो रहे हैं। धनंजय सिंह के कोडिन सिरप प्रकरण में नाम आने पर उन्होंने कहा, "फोटो कोई भी किसी के साथ खिंचवा सकता है। प्रतिदिन 2/3 हजार लोग मेरे साथ फोटो खिंचवाते हैं, जिनमें बच्चों की संख्या ज्यादा रहती है। सिर्फ फोटो के आधार पर किसी को दोषी नहीं ठहराया जा सकता। अगर फोटो के अलावा कुछ है, तो वही असली आधार होगा।"

मानव तस्करी रोकने के लिए कार्यशाला हुई

संवाददाता—महराजगंज। एसएसबी 66 वीं वाहिनी के बीओपी हरदीडाली क्षेत्र के कैथवलिया उर्फ बरगदही उच्च प्राथमिक विद्यालय परिसर मे पूर्वांचल ग्रामीण सेवा समिति की ओर से सुरोखित शैशव कार्यक्रम के तहत मानव तस्करी रोकथाम विषय पर एकदिवसीय कार्यशाला का आयोजन किया गया। शुभारंभ उप कमांडेंट अपूर्व आनंद ने किया। इस दौरान मानव तस्करी रोकने के उपायों पर चर्चा हुई। उप कमांडेंट अपूर्व आनंद ने बताया कि इस प्रशिक्षण से हमारे जवानों में और जागरूकता के साथ मानव तस्करी की पहचान, बचाव और सुपुर्दगी की प्रक्रिया पर दक्षता बढ़ेगी। साथ ही मानव तस्करी को रोकने व पहचानने का तरीका बताया गया। बाल अधिकार एवं बच्चों की तस्करी के बारे में और तस्करी के बाद होने वाली घटनाओं के बारे में विस्तृत चर्चा की गयी। सुरक्षित एवं असुरक्षित प्रवासन पर विस्तृत चर्चा हुई। मानवाधिकार के बारे में बताया गया। जेजे एक्ट के विषय पर विस्तृत जानकारी प्रदान की गई। इस मौके पर इंस्पेक्टर प्रदीप कुमार, निरीक्षक सुनील कुमार, प्रधानाध्यापक दुलारमति चौधरी, प्रधान आशा देवी आदि लोग मौजूद रहे।

समाजसेवी ने जरूरतमंदों में बांटे कंबल

संवाददाता—बलरामपुर। सादुल्लानगर में समाजसेवी राधेश्याम वर्मा ने रविवार को जरूरतमंदों को कंबल वितरित किए। भरोसेगंजदू सरायखास मार्ग स्थित नथुनिया मोड़ पर आयोजित इस कार्यक्रम में बड़ी संख्या में महिलाएं और बुजुर्ग शामिल हुए, जिन्हें कड़ाके की ठंड से राहत मिली। राधेश्याम वर्मा लंबे समय से क्षेत्र में सामाजिक कार्यों के लिए जाने जाते हैं। उतरौला स्थित आरएसवी अस्पताल में वे हर रविवार मुफ्त ओपीडी का संचालन करते हैं, जिससे अब तक सैकड़ों मरीजों को स्वास्थ्य लाभ मिल चुका है। उनकी सेवा भावना के कारण लोग उन्हें एक विश्वसनीय समाजसेवी के रूप में देखते हैं। कंबल वितरण कार्यक्रम के दौरान अरुण प्रकाश वर्मा, घनश्याम वर्मा, सरकार बक्स, प्रदीप यादव, संजय कुमार और संजय राजभर सहित कई सहयोगी मौजूद रहे। ठंड से राहत पाने के लिए महिलाएं समय से पहले ही कतार में खड़ी हो गई थीं। कंबल प्राप्त करने वाली विमला देवी, अनारा, कुमारी और प्रतापा सहित अन्य महिलाओं ने राधेश्याम वर्मा के प्रति आभार व्यक्त किया। उन्होंने बताया कि शुरुआती ठंड में मिला यह सहयोग उनके लिए बड़ी राहत लेकर आया है। ठंड के मौसम में इस तरह की सामाजिक पहल जरूरतमंदों को सहारा देती है और समाज में मानवीय संवेदनाओं को मजबूत करती है। क्षेत्र में राधेश्याम वर्मा की सक्रियता लगातार प्रेरणा का स्रोत बनी हुई है।

हमारे ऊपर दर्द मुकदमा सोची समझी साजिश है –राकेश जयसवाल

–भारतीय बस्ती संवाददाता–

अयोध्या। कैंट थाना क्षेत्र में अवैध खनन का मामला लगातार सुर्खियों में बना हुआ है। इसी क्रम में रविवार को नया विवाद तब खड़ा हो गया, जब पूर्व जिला पंचायत सदस्य राकेश जायसवाल ने खनन अधिकारी अनंत कुमार सिंह वर्मा पर गंभीर आरोप लगाए। उन्होंने आरोप लगाया कि फतेहपुर सरैया घाट पर खनन की जांच के दौरान अधिकारी उनके खिलाफ साजिश कर रहे हैं और अवैध उगाही का दबाव बनाया जा रहा है।राकेश जायसवाल का कहना है कि खनन अधिकारी अनंत कुमार सिंह वर्मा ने हाल ही में घाट का निरीक्षण किया, जहां ओवरलोड मिलने पर एक ट्रक का चालान किया गया। जायसवाल ने आरोप लगाया कि पूर्व खनन अधिकारी राजनयन वर्मा और कुछ अन्य लोग मिलकर घाटों का संचालन करते रहे हैं तथा अनंत कुमार सिंह वर्मा उन्हीं के रिश्तेदार होने के कारण अन्य ठेके बंद कराने का प्रयास कर रहे हैं। उनके अनुसार, "मिट्टी का खनन मात्र 10 बीघा का है, लेकिन सैकड़ों बीघा में खनन हो रहा है। कई ट्रक प्रतिदिन घाट से निकलते हैं, पर कोई कार्रवाई नहीं होती।"

जायसवाल ने यह भी दावा किया कि उनके ऊपर दर्ज मुकदमा सोची–समझी साजिश का हिस्सा है ताकि वे घाट से हट जाएँ और एक ही समूह का वर्चस्व बन जाए। उन्होंने कहा कि उनकी कभी भी अनंत कुमार सिंह वर्मा से मुलाकात नहीं हुई, फिर भी उन पर झूठा आरोप लगाकर फँसाने की कोशिश की जा रही है। राकेश जायसवाल ने यह भी आरोप लगाया कि राजनयन वर्मा कई जिलों में घाटों का संचालन करवाते हैं और अयोध्या में संपत्तियों के कार्य से भी जुड़े हैं।उन्होंने कहा कि मामले की उच्च स्तरीय जांच होनी चाहिए ताकि तथ्य सामने आ सकें। उन्होंने दावा किया कि पहले एक लाख रुपये प्रतिमाह की उगाही होती थी और अब तीन लाख रुपये की मांग की जा रही है। जायसवाल ने मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ से इस मामले को संज्ञान में लेकर निष्पक्ष जांच कराने की अपील की। उधर, खनन विभाग के संबंधित अधिकारियों की ओर से इन आरोपों पर किसी प्रकार की आधिकारिक प्रतिक्रिया समाचार लिखे जाने तक प्राप्त नहीं हो सकी। अयोध्या में बालू खनन को लेकर लगातार विवाद जारी है और आरोप–प्रत्यारोप के चलते मामला और पेचीदा होता जा रहा है।

विधायक ने महिला भागीदारी पर जताई नाराजगी, समाज को जागरूक करने पर जोर

संवाददाता—बलरामपुर। अपना दल (कमेरावादी) की बलरामपुर इकाई ने रविवार को एक संगठन समीक्षा बैठक का आयोजन किया। यह बैठक उतरौला विधानसभा के सादुल्लाह नगर थाना क्षेत्र के अचलपुर चौधरी में हुई। इसका मुख्य उद्देश्य संगठन को मजबूत करना और कमेरा समाज के हितों के लिए पार्टी की रणनीति को धार देना था। सिराथू की विधायक डॉ. पल्लवी पटेल ने मुख्य अतिथि के रूप में बैठक में भाग लिया। विशिष्ट अतिथियों में प्रदेश अध्यक्ष डॉ. सी.एल. पटेल, राष्ट्रीय सचिव आनंद हीरालाल पटेल और प्रदेश अध्यक्ष (विधि मंच) रामशिला पटेल भी मौजूद थे।

अपने संबोधन में डॉ. पल्लवी पटेल ने कमेरा समाज को उनके संवैधानिक अधिकारों के प्रति जागरूक करने पर विशेष जोर दिया। उन्होंने कहा कि संगठन कमेरा समाज के हितों के लिए पूरी तरह समर्पित है और उनके अधिकारों की लड़ाई दृढ़ता से लड़ी जाएगी।

उन्होंने इस दौरान पार्टी के संस्थापक डॉ. सोनेलाल पटेल द्वारा कमेरा समाज को जागरूक करने के प्रयासों को भी याद किया। डॉ. पटेल ने दोहराया कि पार्टी उनके सिद्धांतों पर अडिग है।

संगठन समीक्षा के दौरान, विधायक पल्लवी पटेल ने बैठक में महिलाओं की कम उपस्थिति पर गहरी नाराजगी व्यक्त की। उन्होंने स्पष्ट किया कि महिलाओं के बिना संगठन की नींव अधूरी है और किसी भी आंदोलन की सफलता के लिए उनकी सक्रिय भागीदारी अत्यंत आवश्यक है।

उन्होंने जिलाध्यक्ष चंद्रशेखर पटेल और अन्य पदाधिकारियों को निर्देश दिए कि वे आगामी बैठकों और संगठनात्मक गतिविधियों में महिला कार्यकर्ताओं की अधिकतम भागीदारी सुनिश्चित करें। जिलाध्यक्ष चंद्रशेखर पटेल ने जिले में संगठन के कार्यों का ब्यौरा प्रस्तुत किया। बैठक में हरीश वर्मा, वीरेंद्र कुमार वर्मा, कौशल वर्मा, भारत लाल चौधरी, भानु प्रताप वर्मा, प्रमोद कुमार पटेल और रामजी वर्मा सहित कई पदाधिकारी और कार्यकर्ता उपस्थित थे। नेताओं ने बूथ स्तर तक संगठन को सक्रिय करने के लिए आवश्यक दिशा–निर्देश भी जारी किए।

शिविर में 89 मोतियाबिंद ऑपरेशन सफल

संवाददाता—बलरामपुर। भारत–नेपाल सीमा पर स्थित कोयलाबास आंख उपचार केंद्र में रविवार को एक निःशुल्क नेत्र जांच एवं मोतियाबिंद ऑपरेशन शिविर आयोजित किया गया। इस शिविर में कुल 147 मरीजों की आंखों की जांच की गई, जिनमें 75 पुरुष और 72 महिलाएं शामिल थीं। जांच के उपरांत सभी मरीजों को आवश्यक दवाएं निःशुल्क प्रदान की गईं। जांच के दौरान 89 मरीजों में मोतियाबिंद की समस्या का पता चला, जिनका शिविर स्थल पर ही सफल ऑपरेशन किया गया। ऑपरेशन कराने वालों में 44 पुरुष और 45 महिलाएं थीं। मरीजों की बड़ी संख्या को देखते हुए स्थानीय लोगों में स्वास्थ्य सेवाओं के प्रति जागरूकता बढ़ी है।

यह शिविर नेत्र ज्योति संघ, लमही आई हॉस्पिटल की शाखा द्वारा आयोजित किया गया था। वरिष्ठ नेत्र विशेषज्ञ प्रोफेसर डॉ. प्रदीप बसतोला के नेतृत्व में चिकित्सकों की एक टीम ने सभी 89 मरीजों का ऑपरेशन किया। इस टीम में प्रशिक्षित सर्जन, तकनीशियन और सहयोगी स्वास्थ्यकर्मी शामिल थे, जिन्होंने मरीजों को राहत प्रदान करने के लिए कार्य किया।

डॉ. बसतोला ने बताया कि मोतियाबिंद बुजुर्गों में एक आम समस्या है, लेकिन समय पर जांच और उपचार से इससे होने वाली अंधता को रोका जा सकता है। उन्होंने लोगों से नियमित रूप से आंखों की जांच कराने और लक्षण दिखने पर तत्काल डॉक्टर से संपर्क करने की अपील की।

कोयलाबास क्षेत्र में आयोजित इस निःशुल्क शिविर से सीमावर्ती इलाकों के सैकड़ों मरीजों को सीधा लाभ पहुंचा है। स्थानीय लोगों ने नेत्र ज्योति संघ और चिकित्सक टीम के प्रति आभार व्यक्त किया, साथ ही भविष्य में ऐसे और शिविरों के आयोजन की मांग की है।

देश और प्रदेश में राष्ट्रवादी सरकार है, सही समय है भारत को हिंदू राष्ट्र बनाया जाय

–भारतीय बस्ती संवाददाता–

अयोध्या, संवाददाता।जानकी घाट बड़ा स्थान स्थित हिंदू राष्ट्र नवनिर्माण संघ के राष्ट्रीय कार्यालय में आयोजित समारोह में संघ के राष्ट्रीय अध्यक्ष महंत जन्मेजय शरण और श्री महंत अभिराम दास महाराज ने दुष्यन्त कुमार राणा को उत्तर प्रदेश का प्रदेश अध्यक्ष नियुक्त किया। इस नियुक्ति के साथ संगठन ने प्रदेश में अपने विस्तार और भविष्य की कार्ययोजना को लेकर नई शुरुआत की बात कही। कार्यक्रम में संबोधित करते हुए श्री महंत अभिराम दास महाराज ने कहा कि देश में वर्तमान समय को वह सामाजिक–सांस्कृतिक दृष्टि से महत्वपूर्ण मानते हैं। उन्होंने दावा किया कि कई राज्यों में हिंदूवादी विचारधारा से प्रेरित सरकारें कार्य कर रही हैं, जिसे उन्होंने एक सकारात्मक अवसर बताते हुए समाज के सभी वर्गों से एकजुट होकर सांस्कृतिक मूल्यों को मजबूत करने की अपील की। उन्होंने राम जन्मभूमि परिसर के निर्माण कार्य तथा ध्वजारोहण के लिए प्रधानमंत्री के प्रति आभार व्यक्त किया।

राष्ट्रीय अध्यक्ष महंत जन्मेजय शरण महाराज ने भी नव नियुक्त प्रदेश अध्यक्ष को शुभकामनाएँ देते हुए कहा कि यह संगठन का सौभाग्य है कि प्रदेश की जिम्मेदारी ऐसे व्यक्ति को सौंपी गई है, जो लंबे समय से सामाजिक और धार्मिक कार्यों से जुड़े रहे हैं। उन्होंने बताया कि उत्तर प्रदेश के साथ ही दुष्यन्त राणा को देश के अन्य राज्यों के कार्यों का भी प्रभार दिया गया है। महंत शरण ने कहा कि संगठन बहुत जल्द राष्ट्रीय स्तर पर अपने विस्तार की दिशा में कदम बढ़ाएगा।नवनियुक्त प्रदेश अध्यक्ष दुष्यन्त कुमार राणा ने कहा कि संतों के आशीर्वाद और संगठन की विचारधारा को प्रेरणा मानकर वह पूरी निष्ठा के साथ अपनी जिम्मेदारियाँ निभाएंगे। उन्होंने कहा कि सनातन धर्म की शिक्षाओं और मूल्यों को समाज तक पहुँचाने के लिए वे सक्रिय रूप से कार्य करेंगे।

एसएसबी जवानों को फायर फाइटिंग प्रशिक्षण दिया गया

संवाददाता—महराजगंज। एसएसबी 66 वीं वाहिनी के बीओपी चंडीथान परिसर में जवानों को फायर विभाग की ओर से फायर फाइटिंग का प्रशिक्षण दिया गया। कार्यवाहक कमांडेंट बिप्लव दौलाजगछ्छ ने बताया कि उप कमांडेंट पंचानन महाजन की उपस्थिति में चंडीथान बीओपी परिसर में फायर स्टेशन नौतनवा से आए प्रशिक्षक मोहम्मद इकबाल व फायर फाइटर डॉ. राम नरेश यादव ने आग से बचाव का अभ्यास कराया। प्रशिक्षक ने आग बुझाने के तरीके का अभ्यास कराया। आग बुझाने के उपकरणों के प्रकार व प्रयोग करने का तरीका और प्रयोग करते ध्यान में रखी जाने वाली बातों की विस्तार से जानकारी दी। इस दौरान निरीक्षक जितेन्द्र कुमार ठाकुर आदि जवान मौजूद रहे।

घबराइए मत, हर समस्या का होगा समाधान –मुख्यमंत्री

संवाददाता–गोरखपुर। गोरखपुर प्रवास के दौरान मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने लगातार दूसरे दिन, रविवार सुबह जनता दर्शन कार्यक्रम में लोगों से मुलाकात कर उनकी समस्याएं सुनीं। उन्होंने समस्या लेकर आए लोगों से आत्मीयता से संवाद करते हुए कहा, 'घबराइए मत, हर समस्या का समाधान सुनिश्चित कराएंगे। हर पीड़ित की शिकायत का प्रभावी निस्तारण कराया जाएगा।' जनता दर्शन में मुख्यमंत्री ने पास में मौजूद अधिकारियों को निर्देशित किया कि हर पीड़ित व्यक्ति की समस्या पर संवेदनशीलता से ध्यान दें और उसका समयबद्ध, गुणवत्तापूर्ण व पारदर्शी निस्तारण कराएं। इससे पहले शनिवार को भी सीएम ने जनता दर्शन में लोगों की समस्याएं सुनी थीं।

रविवार सुबह गोरखनाथ मंदिर परिसर के महंत दिग्विजयनाथ स्मृति भवन सभागार में आयोजित जनता दर्शन के दौरान मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने करीब 200 लोगों की समस्याएं सुनीं और अधिकारियों को उनका समाधान करने के निर्देश दिए। जनता दर्शन में महिलाओं की संख्या अधिक रही। कुर्सियों पर बैठाए गए लोगों तक मुख्यमंत्री खुद पहुंचे और उनकी समस्याएं सुनीं। सीएम ने उन्हें आश्वस्त किया कि वह सभी की समस्याओं का समाधान सुनिश्चित कराएंगे। किसी को भी चिंता करने या परेशान होने की आवश्यकता नहीं है। प्रार्थना पत्रों को उन्होंने अधिकारियों को हस्तगत करते हुए निर्देश दिया कि हर समस्या का त्वरित और पारदर्शी निस्तारण कराया जाए। जनता दर्शन में कुछ लोगों द्वारा जमीन कब्जाने की शिकायत पर सीएम योगी ने कठोर कानूनी कार्रवाई के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि किसी भी गरीब की जमीन पर यदि कोई कब्जा करने की कोशिश करे तो उसे ठीक से सबक सिखाया जाए। गरीब की जमीनों पर दबंग या माफिया का कब्जा बर्दाश्त नहीं किया जाएगा। मुख्यमंत्री ने अफसरों को यह निर्देश भी दिए कि यदि किसी प्रकरण में पीड़ित को लगातार परेशानी का सामना करना पड़ा है तो इसकी भी जांच कर जवाबदेही तय की जाए। जनता दर्शन में अंबेडकरनगर से आई एक महिला ने बाजार गए अपने बच्चे के साइकिल सहित गायब होने की पीड़ा बताई। इस पर मुख्यमंत्री ने अधिकारियों से कहा कि इस प्रकरण को संवेदनशीलता से लिया जाए और बच्चे का पता लगाने को जरूरी कदम उठाए जाएं। जनता दर्शन में इस बार भी कुछ लोग गंभीर बीमारियों के इलाज में आर्थिक मदद की गुहार लेकर पहुंचे थे। मुख्यमंत्री ने उन्हें मदद का भरोसा दिया और अधिकारियों को निर्देशित किया कि इलाज में अस्पताल के इस्टीमेट की प्रक्रिया को जल्द पूर्ण कराकर शासन में भेजें। मुख्यमंत्री विवेकाधीन कोष से इलाज के लिए पर्याप्त राशि दी जाएगी। एक महिला द्वारा किडनी के इलाज में डायलिसिस कराने की जरूरत और उसके लिए धनराशि न होने की बात कहने पर मुख्यमंत्री ने मौके पर मौजूद अफसरों को निर्देशित किया कि डायलिसिस के लिए पैसे की व्यवस्था कराई जाए। उन्होंने महिला को यह कहते हुए भरपूर आत्मीय संबल दिया, 'घबराओ मत उपचार की पूरी व्यवस्था कराई जाएगी।' मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने जनता दर्शन में परिजनों के साथ बच्चों पर खूब प्यार–दुलार बरसाया। उन्होंने इन बच्चों चॉकलेट के साथ आशीर्वाद दिया।

साइबर ठगी के शिकार हुए कैबिनेट मंत्री संजय निषाद के बेटे

संवाददाता–गोरखपुर। यूपी सरकार में कैबिनेट मंत्री डॉ. संजय निषाद के बेटे डॉ. अमित कुमार निषाद साइबर जालसाजी का शिकार हो गए हैं। जालसाजों ने उनके मोबाइल नंबर की मदद से न सिर्फ फर्जी बैंक खाता खुलवा लिया बल्कि उस पर यूपीआई भी सक्रिय कर दी। इसके बाद से डॉ. अमित को भेजी जाने वाली सारी रकम जालसाजों के खाते में जाने लगी। मामला संज्ञान में आने के बाद जंगल सालिकराम निवासी डॉ. अमित की तहरीर पर शाहपुर पुलिस ने समरीन अली नाम के व्यक्ति के खिलाफ प्राथमिकी दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। प्रारंभिक जांच में पता चला कि समरीन ने दिल्ली में बैंक ऑफ बड़ौदा की मंडावली शाखा में यह फर्जी खाता खुलवा रखा है। शनिवार को पुलिस ने इस संदिग्ध खाते की डिटेल निकलवाई। पुलिस साइबर सेल की मदद से जांच कर रही है। जालसाज यह काम कई महीनों से कर रहे थे। उन्होंने अब तक कितनी रकम का फर्जीवाड़ा किया है यह पता नहीं चल सका है। डॉ. अमित की पुलिस को दी गई तहरीर के अनुसार, उनका मोबाइल नंबर कई महत्वपूर्ण संपर्कों, संगठन और अनुदानों से जुड़ा है। पिछले कुछ महीनों से कोई भी भुगतान उनके खाते में नहीं हो रहा था। किन्हीं कारणों से उन्होंने इस पर ध्यान नहीं दिया। पिछले हफ्ते उनके एक परिचित ने उनके अकाउंट में 50 हजार रुपये भेजे। उन्होंने जब इसके बारे में पूछा तो फोन में किसी लेनदेन का कोई मैसेज नहीं था। तब उन्होंने बैंक खाते की डिटेल निकलवाई। उससे पता चला कि समरीन अली नामक व्यक्ति ने उनके मोबाइल नंबर का दुरुपयोग करते हुए फर्जी बैंक खाता और यूपीआई आईडी बना रखी है, जिसमें उनके नंबर की यूपीआई आईडी पर भेजी जाने वाली सारी रकम जा रही है। यह खेल लंबे समय से चल रहा है। इस संबंध में शाहपुर थाना प्रभारी नीरज राय ने बताया कि डॉक्टर की तहरीर पर समरीन अली के खिलाफ प्राथमिकी दर्ज कर ली गई है। जांच निरीक्षक अवधेश तिवारी को सौंपी गई है। जालसाज की पहचान के लिए साइबर सेल की भी मदद ली जा रही है। डॉ. अमित कुमार निषाद की तहरीर के आधार पर प्राथमिकी दर्ज कर जांच की जा रही है। साइबर सेल की भी मदद ली जा रही है। जल्द ही जालसाजों का पता लगा लिया जाएगा। साक्ष्यों के आधार पर आगे कानूनी कार्रवाई होगी। –रवि सिंह, सीओ गोरखनाथ

गोविंद दशमी पर श्रद्धालुओं ने गोविंद सरोवर में लगाई डुबकी

संवाददाता–अम्बेडकरनगर। गोविंद दशमी पर्व पर रविवार को रामनगर विकासखंड क्षेत्र स्थित सिद्ध पीठ बाबा गोविंद साहब धाम में श्रद्धालुओं की भारी भीड़ उमड़ी। पूर्वांचल के इस ऐतिहासिक धाम पर तड़के सुबह से ही दूर–दूर के जनपदों से आए भक्तों ने गोविंद सरोवर में आस्था की डुबकी लगाई। स्नान के उपरांत, श्रद्धालुओं ने बाबा गोविंद साहब की समाधि पर खिचड़ी प्रसाद, लाल गन्ना, खजला, रामदाना सहित अन्य पारंपरिक सामग्री अर्पित की। बड़ी संख्या में भक्तों ने परिवार और समाज की सुख–समृद्धि के लिए मन्नतें मांगी। इस अवसर पर गाजीपुर, देवरिया, बलिया, मऊ, गोरखपुर, बहराइच, बाराबंकी, लखनऊ, बस्ती और आजमगढ़ सहित विभिन्न जिलों से आए भक्तों ने पूजा–अर्चना की और प्रसाद चढ़ाया। मेले में पहुंचे श्रद्धालुओं ने दैनिक उपयोग की घरेलू वस्तुएं भी खरीदीं। मेले में सुरक्षा व्यवस्था को लेकर पुलिस प्रशासन पूरी तरह मुस्तैद रहा। पुलिस और प्रशासन द्वारा स्थापित खोया–पाया कैंप के माध्यम से श्रद्धालुओं को समय–समय पर आवश्यक निर्देश और सूचनाएं प्रसारित की गईं, जिससे भीड़ को नियंत्रित करने में सहायता मिली।

पूरे दिन मेले में भक्तिमय वातावरण बना रहा और श्रद्धालुओं की आवाजाही शाम तक जारी रही।

दो दिवसीय वार्षिक खेल प्रतियोगिताओं का समापन मिला मेडल, ट्राफी तो खुश हुये विजेता खिलाड़ी

–भारतीय बस्ती संवाददाता–

बस्ती। रविवार को पुरस्कार वितरण के साथ सेन्ट फ्रांसिस स्कूल चननी में दो दिवसीय वार्षिक खेल प्रतियोगिताओं का समापन हुआ। संस्थापक सानू एन्टोनी ने खिलाड़ियों का हौसला बढाते हुये कहा कि खेल शिक्षा का अभिन्न अंग है। निदेशक सुष्मिता सानू ने कहा कि इस प्रतियोगिता से छात्रों में बेहद खुशी है। प्रधानाचार्य सोनिया थामस ने कहा कि खेलों में छात्रों ने पूरे उत्साह से हिस्सा लिया। विजेता खिलाड़ियों को जब पुरस्कार मिला तो उनके चेहरों पर खुशी थी।

ब्लू, ग्रीन, रेड, एलो टीमों के बीच ब्लू प्रथम, ग्रीन द्वितीय और रेड तृतीय स्थान पर रही। एलो टीम को चौथा स्थान प्राप्त हुआ। कुल 115 खेलों में स्कूल के सभी छात्रों ने दो–दो खेलों में हिस्सा लिया। विजेताओं को ट्राफी और मेडल देकर पुरस्कृत किया गया। खेल प्रतियोगिताओं को सम्पन्न कराने में मुख्य रूप से ज्योति, शैल, सारिका, साक्षी, कृतिका, माही, अन्नू, सुहासिनी, कनुप्रिया, जान्हवी, अमीशा, प्रिया, नीलम के साथ ही स्कूल के शिक्षक, शिक्षिकाओं ने योगदान दिया।

पुलिस ने ब्लॉक प्रमुख के बेटे को चोरी की कार संग पकड़ा

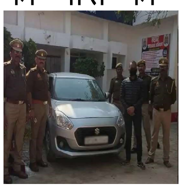

संवाददाता–संतकबीरनगर। दुधारा पुलिस ने सेमरियावां ब्लॉक प्रमुख मुझरुन्निशा के पुत्र को चोरी की कार के साथ गिरफ्तार किया है। आरोपी मुस्ताक अहमद को दुधारा अस्पताल तिराहा मोड़ के पास से पकड़ा गया। पुलिस के अनुसार, वह नंबर प्लेट बदलकर चोरी की गाड़ी चला रहा था, जिसके रजिस्ट्रेशन और चेसिस नंबर भी कूट रचित तरीके से तैयार किए गए थे। दुधारा एसओ अरविंद शर्मा ने मुस्ताक को कार सहित पकड़ा। पुलिस पूछताछ में उसकी पहचान सुकरौली, दुधारा निवासी मुस्ताक अहमद के रूप में हुई। एएसपी सुशील कुमार सिंह ने बताया कि शनिवार को दुधारा पुलिस ने ई–चालान ऐप से कार पर लगे नंबर की जांच की। इसमें दर्ज इंजन और चेसिस नंबर लखनऊ निवासी प्रदीप कुमार वर्मा के नाम पर मिले। प्रदीप ने फोन पर बताया कि उनकी कार लखनऊ में ही खड़ी है। इसके बाद पुलिस ने बरामद कार पर अंकित चेसिस नंबर की जांच की, जिसमें वाहन मुरादाबाद निवासी सुरभि ओहरी के नाम पंजीकृत मिला। उनसे संपर्क करने पर उन्होंने भी अपनी गाड़ी घर पर होने की पुष्टि की। वहीं, कार के इंजन नंबर की जांच में कोई विवरण प्रदर्शित नहीं हुआ। पुलिस की सख्ती से पूछताछ करने पर मुस्ताक ने बताया कि उसने चोरी की कार लखनऊ के एक व्यक्ति से खरीदी थी, लेकिन वह न तो उस व्यक्ति का नंबर बता पाया और न ही कोई कागजात दे सका। पुलिस जांच में यह भी सामने आया कि आरोपी ने चोरी की कार पकड़ी न जाए, इसके लिए नंबर प्लेट, रजिस्ट्रेशन और चेसिस नंबर सभी कूट रचित तरीके से तैयार किए थे। एएसपी ने बताया कि गिरफ्तार आरोपी मुस्ताक अहमद के खिलाफ पहले से मारपीट, अपहरण और जालसाजी समेत तीन मुकदमे दर्ज हैं।

चर्चों में प्रभु यीशु मसीह के आगमन की तैयारियां शुरू, फस्ट एडवेंट पर भक्तिमय माहौल, युवा–बच्चों ने किया विशेष प्रार्थनाएं और आयोजन

संवाददाता–गोरखपुर। गोरखपुर के सभी चर्चों में रविवार प्रातः प्रभु यीशु मसीह के आगमन की तैयारियों की शुरुआत प्रभु वंदन से हुई। नगर के चर्चों में विशेष प्रार्थनाएं आयोजित की गईं और प्रभु भोज निवेदित किया गया। युवाओं और बच्चों में इस अवसर को लेकर विशेष उत्साह और खुशी देखी गई। बशारतपुर के सेंट जॉन चर्च में संडे स्कूल के बच्चों ने भक्ति गीत गाकर माहौल को भक्तिमय बना दिया। बच्चों ने गीत "ना सोना मैंने मांगा, ना चांदी, मैंने यीशु मसीह का बस प्यार मांगा" गाकर उपस्थित लोगों का मन आनंदित किया। कार्यक्रम में बच्चों की भागीदारी ने सभी को प्रभु वंदन में शामिल होने के लिए प्रेरित किया।

फुल गोस्पल चर्च, मोती पोखरा के पुरोहित ए.बी. लाल ने बताया कि फस्ट एडवेंट प्रभु यीशु मसीह के आगमन की ओर इशारा करता है। उन्होंने कहा कि सभी को इस अवसर पर आत्मिक रूप से तैयार रहना चाहिए और प्रभु की भक्ति में भाग लेना चाहिए। वहीं, सेंट जोसेफ महा गिरजाघर में फादर जीजो एंटोनी के नेतृत्व में सेंट जोसेफ स्कूल परिसर में मिशन संडे फीस्ट का आयोजन किया गया। भारी संख्या में लोग उपस्थित रहे और प्रभु वंदन में शामिल होकर अपने आस्था का प्रदर्शन किया। बच्चों, युवाओं और बुजुर्गों ने उत्साहपूर्वक कार्यक्रम में भाग लिया।

सेंट थॉमस चर्च, धरमपुर के पुरोहित संजय विंसेंट ने उपस्थित लोगों को संबोधित करते हुए कहा कि सभी को प्रभु यीशु मसीह के आगमन को लेकर स्वयं को आत्मिक रूप से तैयार करना चाहिए। उन्होंने प्रार्थना, भजन और सेवा के माध्यम से आत्मिक शुद्धि पर विशेष ध्यान देने का आह्वान किया।

सेंट जॉन चर्च, बशारतपुर में ले लीडर ने पवित्र शास्त्र बाइबिल के विभिन्न भेदों पर प्रकाश डालकर प्रार्थना का आयोजन किया। वहीं, क्राइस्ट चर्च, शास्त्री चौक में सेंट एंड्रूज डे पर विशेष कार्यक्रम आयोजित हुआ। इस अवसर पर बड़े–बुजुर्ग, युवा और बच्चे बड़ी संख्या में उपस्थित रहे और प्रभु वंदन में भाग लिया।

सेंट थॉमस चर्च धरमपुर, सेंट मार्क चर्च स्टैंनपुर पादरी बाजार, सेंट एंड्रयूज चर्च रेलवे कॉलोनी कौवा बाग, ल्यूक चर्च राप्ती नगर, असेंबली ऑफ बिलीवर चर्च राप्ती नगर, हिमालियन चर्च खजांची बाजार, मसीही कलीसिया असुरन चुंगी, सेंट एंथोनी चर्च धरमपुर और सेंट जोसफ चर्च सिविल लाइन सहित नगर के सभी गिरजाघरों में विशेष प्रार्थनाएं आयोजित की गईं। हर चर्च में युवा और बच्चे प्रभु वंदन में सक्रिय रूप से शामिल हुए।

गुरुवाणी व जयकारे से भक्तिमय हुआ माहौल

संवाददाता–संतकबीरनगर। जिले में गुरु तेग बहादुर की पावन स्मृति में होने वाले शहीदी दिवस के उपलक्ष्य में प्रभात फेरियों का क्रम लगातार जारी है। श्रद्धा, भक्ति और उत्साह से सराबोर वातावरण के बीच रविवार को छठवें दिन की प्रभात फेरी निकाली गई, जिसने पूरे शहर को आध्यात्मिक ऊर्जा से भर दिया। प्रभात फेरी में हो रही है तेरी जय जयकार व बोले सो निहाल के जयकारे गूंजते रहे। प्रभात फेरी गुरुद्वारा गुरु सिंह सभा से प्रारंभ होकर गोलाबाजार, फल मंडी, समय माता मंदिर तिराहा होते हुए राम जानकी मंदिर तक गई। वहां से वापस गुरुद्वारा परिसर पहुंच विश्राम दिया। प्रभात फेरी के दौरान हो रही है तेरी जय जयकार, दर्शन कर लो जी प्रभात फेरी आई है सहित गुरुवाणी के कई मधुर शब्दों ने पूरे शहर को भक्तिमय कर दिया। राहगीरों एवं स्थानीय लोगों ने श्रद्धाभाव से गुरु साहिब की शहादत को नमन किया। अरदास के बाद प्रसाद वितरण किया। प्रभात फेरी में बड़ी संख्या में सिख श्रद्धालुओं के साथ नगरवासी भी शामिल हुए।

महिलाओं को दिया अपराधों, साइबर सुरक्षा की जानकारी

संवाददाता–सिद्धार्थनगर। थाना मिश्रौलिया क्षेत्र स्थित ग्राम मिश्रौलिया खालसा में रविवार को मिशन शक्ति पुलिस टीम द्वारा एक व्यापक जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किया गया। यह कार्यक्रम मिशन शक्ति फेज 5.0 के तहत बहू–बेटी सम्मेलन, महिला सशक्तिकरण, एंटी रोमियो, शक्ति दीदी अभियान और साइबर अपराध सुरक्षा पर केंद्रित था।

इस दौरान महिलाओं और बालिकाओं को महिला अपराधों की रोकथाम, सुरक्षा उपायों, नए आपराधिक कानूनों और विभिन्न हेल्पलाइन नंबरों के बारे में विस्तृत जानकारी दी गई। उन्हें अपने कानूनी अधिकारों और साइबर धोखाधड़ी से बचाव के तरीकों से भी अवगत कराया गया।

यह कार्यक्रम पुलिस अधीक्षक सिद्धार्थनगर डॉ. अभिषेक महाजन द्वारा चलाए जा रहे ष्महिलाओं की सुरक्षा एवं जागरूकता अभियानष के निर्देशों के क्रम में आयोजित हुआ। अपर पुलिस अधीक्षक प्रशांत कुमार प्रसाद और क्षेत्राधिकारी इटवा शुभेंदु सिंह के पर्यवेक्षण में, थानाध्यक्ष बृजेश सिंह के नेतृत्व में मिशन शक्ति टीम दृ उपनिरीक्षक बबुना यादव और महिला आरक्षी अनुराधा दृ ने ग्रामीण महिलाओं–बालिकाओं को महत्वपूर्ण जानकारी प्रदान की।

टीम ने बताया कि जो महिलाएं थाने तक नहीं पहुंच पातीं, उनके लिए गांव–गांव में बहू–बेटी सम्मेलन आयोजित कर जागरूकता अभियान चलाया जा रहा है। कार्यक्रम में महिला सुरक्षा संबंधी मिशन शक्ति 5.0 के स्टिकर लगाए गए और मुख्यमंत्री द्वारा प्रत्येक थाने में स्थापित मिशन शक्ति केंद्र के बारे में भी बताया गया, जहां महिलाएं अपनी शिकायतें दर्ज करा सकती हैं।

रूस में फंसे यूपी के युवाओं की जल्द होगी वतन वापसी, विदेश मंत्रालय तक पहुंचा मामला

संवाददाता–गोरखपुर। रूस में फंसे पूर्वी यूपी के युवाओं का मामला विदेश मंत्रालय तक पहुंच गया है। सामाजिक कार्यकर्ता राजेशमणि ने मंत्रालय को मामले से अवगत कराते हुए युवाओं की वापसी के लिए हस्तक्षेप करने की मांग की है। उधर, गोरखपुर के सोनू तिवारी के जल्द स्वदेश लौटने की उम्मीद जग गई है। उनका टिकट बन गया है। इसकी जानकारी सोनू तिवारी ने फोन पर दी है।

बांसगांव के रहने वाले सोनू तिवारी को एजेंट ने मोटी तनख्वाह वाली नौकरी का झांसा देकर टूरिस्ट वीजा पर एक अक्तूबर को रूस भेजा था। रूस पहुंचने के बाद सोनू तिवारी को पता चला कि यहां टूरिस्ट वीजा को वर्क परमिट में तब्दील नहीं किया जा सकता है। एक महीने में उनका टूरिस्ट वीजा खत्म हो गया। तब से वह रूस में फंसे हैं। इधर, एजेंट भी सोनू की वापसी के लिए सक्रिय हो गया है। शनिवार को रूस से सोनू ने बताया कि टिकट हो गया है। सोमवार को वह दिल्ली पहुंच सकते हैं। रूस में भारतीय युवाओं के फंसाने का मामला विदेश मंत्रालय तक पहुंच गया है। मानव तस्करी पर काम करने वाले सामाजिक कार्यकर्ता राजेश मणि ने इस मामले में विदेश मंत्रालय के साथ रूस स्थित भारतीय दूतावास को ईमेल कर जानकारी दी है। उन्होंने बताया कि रूस में जो युवा फंसे हैं, उनका शोषण हो रहा है। उन्हें ई–वीजा पर भेजा गया। उनके पास वर्क परमिट नहीं है। रूस में उनकी सुरक्षा की जाए। उन्हें वापस स्वदेश भेजा जाए। उन्होंने विदेश मंत्री एस जयशंकर, विदेश राज्य मंत्री कीर्तिवर्धन, रूस में भारतीय राजदूत के साथ ही माइग्रेशन पर काम करने वाली अंतरराष्ट्रीय एजेंसी यूएन माइग्रेशन व इंटरनेशनल ऑर्गेनाइजेशन आफ माइग्रेशन को भी ईमेल के जरिए सूचना दी है। उन्होंने कहा कि यह बेहद गंभीर मसला है।

वहीं दूसरी तरफ इम्पीरियो एजेंसी के संचालक मनीष कुमार ने रूस से लौटे युवाओं के आरोपों को सिरे से खारिज कर दिया है। उन्होंने सफाई देते हुए कहा कि सिर्फ चार युवाओं को उनकी एजेंसी के जरिए ई–वीजा पर रूस भेजा गया था। जिनके रुपये वह वापस करेंगे। अन्य युवा दूसरी एजेंसियों के माध्यम से गए थे। उन पर लगाए जा रहे आरोप गलत हैं। उन्होंने यह जरूर माना कि वह अनूप और राहुल को जानते हैं।

उन्होंने कहा कि रूस में पहले से कुछ एजेंट मौजूद हैं। उन्होंने ई–वीजा को वर्क परमिट में बदलवाने का दावा किया था। उनके भरोसे पर ही युवाओं को रूस भेजा गया। उनका दावा गलत निकला, जिसके बाद युवाओं को वापस बुलाया गया है।

महिला थाना ने 7 बिखरते परिवारों को मिलाया

संवाददाता–सिद्धार्थनगर। महिला थाना मिशन शक्ति केंद्र ने पारिवारिक विवादों को सुलझाने की दिशा में महत्वपूर्ण पहल की है। रविवार को केंद्र ने 7 अलग–अलग परिवारों के बीच चल रहे मनमुटाव को दूर कर उन्हें फिर से एक साथ रहने के लिए तैयार किया।

महिला थाना प्रभारी निरीक्षक भाग्यवती पाण्डेय और उनकी टीम ने सभी पक्षों की बात गंभीरता से सुनी। गहन काउंसलिंग के बाद, सभी जोड़ों ने आपसी समझ बनाते हुए एक–दूसरे का हाथ थामा और खुशी–खुशी अपने घर लौटे।

इस काउंसलिंग सत्र में उपनिरीक्षक राम नारायण शुक्ला, महिला हेड कांस्टेबल आशा गौड़, महिला आरक्षी संगीता गौतम, प्रियंबदा सिंह और नेहा सिंह शामिल थीं। टीम ने संवेदनशीलता के साथ परिवारों को समझाया और गलतफहमियों को दूर करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई।

जिन सात परिवारों को एक साथ विदा किया गया, उनमें सलीमुननिशा और गुलाम हुसैन (खुटवा, थाना उसका बाजार), शाहीन बानो और मकसूद आलम (परती बाजार, आजाद नगर, उसका बाजार), राबिया और मोहम्मद रफी (कठेला जनूबी, थाना कठेला समय माता), प्रियंका और शालिकराम (डडिया बिशुनपुर, थाना कोतवाली बांसी), नसीबुनिशा और इरफान (मझौवा, थाना मोहाना), किरण और संदीप (बभनी, थाना चिल्हिया), तथा माधुरी और दुर्गेश (पकड़डीहवा कला, थाना ढेबरूआ) शामिल हैं।

ओमप्रकाश राजभर का टेमा रहमत चौराहे पर स्वागत

संवाददाता–संतकबीरनगर। सुहेलदेव भारतीय समाज पार्टी (सुभासपा) के राष्ट्रीय अध्यक्ष और प्रदेश सरकार के कैबिनेट मंत्री ओमप्रकाश राजभर का रविवार को टेमा रहमत चौराहे पर स्वागत किया गया। यह स्वागत प्रदेश सचिव अब्दुल अजीम के नेतृत्व में हुआ।

मंत्री राजभर गोरखपुर जाते समय संत कबीर नगर पहुंचे थे। वह उत्तर प्रदेश सरकार में पंचायतीराज तथा अल्पसंख्यक कल्याण, मुस्लिम वक्फ एवं हज विभाग के कैबिनेट मंत्री भी हैं। इस अवसर पर बड़ी संख्या में लोग उपस्थित थे। स्वागत करने वालों में विनोद राजभर (राष्ट्रीय सचिव), मुहम्मद इनामुल्लाह कुरैशी, अब्दुल कय्यूम, ताजुद्दीन, मुहम्मद अहमद, इरशाद अहमद, साजिद खान, सफीकुर्रहमान, हबीबुर्रहमान, इरफान अहमद, ऋतिक जायसवाल, बृजभूषण मिश्रा, अबू बकर, सद्दाम हुसैन, मुनव्वर हुसेन, शाहिद अली, अंसार अहमद, आफताब अहमद सहित लगभग दो दर्जन प्रधान और सैकड़ों कार्यकर्ता शामिल थे।

दैनिक भारतीय बस्ती
संस्थापक सम्पादक स्व. दिनेश चन्द्र पाण्डेय
स्वत्वाधिकारी, प्रकाशक, मुद्रक प्रदीप चन्द्र पाण्डेय द्वारा दर्पण प्रिन्टिंग प्रेस वि0. नया हाल 1–4 A लोहिया काम्पलेक्स जिला पंचायत भवन गांधीनगर बस्ती (उ.प्र.) से मुद्रित एवं प्रकाशित।

प्रबन्ध सम्पादक–**दिनेश सिंह**
संयुक्त सम्पादक–**प्रदीप चन्द्र पाण्डेय**
अयोध्या–फैजाबाद कार्यालय–
चतुर्भुजी मंदिर परिसर लक्ष्मण घाट अयोध्या–फैजाबाद
लखनऊ कार्यालय–
आशियाना चौराहा, एल.डी.ए. कालोनी, सेक्टर एच. कानपुर रोड लखनऊ।
गोरखपुर कार्यालय–
इलाहीबाग गोरखपुर।
मो0 9336715406, 8400925463
ई.मेल **bhartiyabasti@gmail.com**
dainikbhartiyabasti@gmail.com